RNI No. MPHIN/2015/64451 डाक पंजीयन क्र. MP/IDC/1525/2019-2021 IPT डाक द्वारा प्रेषण प्रति शुक्रवार indianplasttimes@gmail.com

www.Indianplasttimes.in

इंडियन प्लास्ट टाइम्स

■ INDORE ■ 28 APRIL TO 04 MAY 2021 ■ प्रति बुधवार ■ वर्ष 06 ■ अंक 36 ■ पृष्ठ 8 ■ कीमत 5 रु.

Inside News

फिर महंगा हुआ कच्चा तेल लेकिन यहां 13वें दिन भी स्थिर रहे पेट्रोल डीजल Page 2

दो दशक के उच्चतम स्तर पर पहुंचा नकदी का चलन Page 4

सैमसंग ने भारत में उतारे गैलेक्सी ए52 और गैलेक्सी ए72 Page 7

editoria!

हौसला बनाये रखें

महामारी के बढ़ते प्रकोप और लगातार हो रही मौतों के बीच धीरज रखना कतई आसान नहीं है. हम में से बहुत से ऐसे लोग हैं, जिनका कोई परिजन या परिचित बीमार है. हम सभी आशंकाओं से घिरे हैं. ऐसी स्थिति में सकारात्मक या सामान्य रह पाना एक बड़ी चुनौती है. लेकिन यह भी सच है कि हमारे पास इसके अलावा कोई विकल्प भी नहीं है. इस समय हौसला बनाये रखने की बड़ी जरूरत है. हम अपने आसपास देखें, तो असंख्य चिकित्सक, स्वास्थ्यकर्मी, प्रयोगशालाओं में कार्यरत लोग, सफाईकर्मी, दवा देनेवाले लोग, ऑक्सीजन पहुंचानेवाले आदि दिन-रात जुटे हुए हैं. ये लोग न केवल अथक अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं, बल्कि संक्रमण का खतरा भी इन्हें ही सबसे अधिक है. देश के अनेक राज्यों में बीमार लोगों की बड़ी संख्या के कारण अस्पतालों पर दबाव बहुत बढ़ गया है. कहीं बिस्तर नहीं है, तो कहीं ऑक्सीजन नहीं है. कई ऐसे संक्रमित हैं, जिन्हें अस्पतालों की ठीक से जानकारी नहीं है. कई परिवार ऐसे हैं, जिनके घर में बच्चे और बुजुर्ग हैं. ऐसे में बहुत से लोग अपने स्तर पर जानकारियां देने, जरूरत मुहैया कराने तथा देखभाल के काम में जुटे हुए हैं. लोग इसके लिए सोशल मीडिया का बखूबी इस्तेमाल कर रहे हैं. कई संस्थाएं मदद के लिए आगे आयी हैं. मदद का हाथ बढ़ाने में धर्म, जाति, वर्ग और क्षेत्र जैसे विभाजन मिट गये हैं. अस्पताल भी एक-दूसरे को सहयोग दे रहे हैं. सरकारी कोशिशों के साथ सामाजिक सहकार ने महामारी की चुनौती के बरक्स दूसरा मोर्चा खोल दिया है. ऐसे प्रयासों का आधार सकारात्मक सोच और हौसले का होना ही है. यही सामूहिकता गौरवपूर्ण भारतीयता है. ऑक्सीजन ढो रहीं रेलगाड़ियों और अन्य वाहनों के चालकों और सहायकों के प्रति भी हमें आभार व्यक्त करना चाहिए. इस प्राणवायु की उपलब्धता जल्दी हो सके, इसके लिए कई संयंत्रों में कामगार दिन-रात जुटे हुए हैं. कुछ को छोड़कर हम अनगिनत योद्धाओं को कभी जान न सकेंगे, लेकिन उनके बिना यह लड़ाई जीती नहीं जा सकती. हम खबरों में लगातार पढ़ रहे हैं कि वयोवृद्ध भी गंभीर संक्रमण को मात देकर घर लौट रहे हैं. बीते एक साल से अधिक समय में कुल संक्रमण के केवल 16.25 प्रतिशत मामले ही अभी सक्रिय हैं. इसका अर्थ यह हुआ कि बहुत अधिक संख्या में लोग संक्रमण मुक्त हो रहे हैं. करीब 70 प्रतिशत मामले आठ राज्यों से हैं, जहां कोरोना महामारी की दूसरी लहर का कहर जारी है. अकेले महाराष्ट्र में ही लगभग 25 प्रतिशत मामले हैं, लेकिन वहां भी रोजाना संक्रमण में, मामूली ही सही, गिरावट होने लगी है. संक्रमण के बारे में स्वयं सचेत रहने और दूसरों को जागरूक करने से लेकर मुश्किल स्थितियों में मदद करने तक हम जितना योगदान कर सकते हैं, करना चाहिए. एक मई से सभी वयस्कों को टीका देने का अभियान शुरू हो रहा है. उसमें भागीदारी भी हमारा दायित्व है. यह मुसीबत सबके सहकार से ही टलेगी.

... तो क्या टुकड़ों में बंट जाएगी ONGC!

सरकार ने बनाया यह प्लान

नई दिल्ली। एजेंसी

पेट्रोलियम मंत्रालय ने देश की सबसे बड़ी तेल एक्सप्लोरर ओएनजीसी (ONGC) को छोटी-छोटी एंटिटीज में बांटने की योजना बनाई है। सरकार ओएनजीसी के बड़े प्रॉड्यूसिंग व नए फील्ड्स की हिस्सेदारी निजी कंपनियों को बेचेगी और छोटी तेल खोजों को प्राइवेटाइज करेगी। पेट्रोलियम मंत्रालय ने 1 अप्रैल को ओएनजीसी को एक एक्शन प्लान भेजा था। इससे एक दिन पहले यानी 31 मार्च को ही ओएनजीसी के फुल टाइम चेयरमैन शशि शंकर रिटायर हुए हैं। पेट्रोलियम मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव (एक्सप्लोरेशन) अमरनाथ की ओर से भेजे गए लेटर में कंपनी के कार्यवाहक चेयरमैन व निदेशक (फाइनेंस) सुभाष कुमार को 5 अप्रैल तक एक्शन प्लान पर प्रतिक्रिया देने को कहा गया था।

एक्शन प्लान की कुछ डिटेल

केन्द्र सरकार का एक्शन प्लान ओएनजीसी के इनहाउस परिचालनों- ड्रिलिंग, वेल सर्विसेज, लॉगिंग, वर्कओवर सर्विसेज और डाटा प्रोसेसिंग को अलग-अलग एंटिटीज में बांटने पर केन्द्रित है। एक्शन प्लान में रत्ना-आर व पना-मुक्ता ऑफशोर फील्ड्स और गुजरात में गंधार ऑनलैंड की पहचान, पश्चिमी क्षेत्र में प्राइवेट पार्टनर्स रखने के लिए की है। पूर्वी ऑफशोर में 5 अरब डॉलर के KG-DWN-98/2 गैस प्रॉजेक्ट, दीनदयाल वेस्ट ब्लॉक और अशोकनगर ऑनलैंड डिस्कवरी के मामले में वैश्विक कंपनियों को पार्टनर्स के तौर पर शामिल करने के लिए चिन्हित किया गया है।

विश्लेषकों का क्या है कहना

उद्योग विश्लेषकों का कहना है कि सरकार का एक्शन प्लान ओएनजीसी को एक ऐसी कंपनी में बदल देगा, जहां यह एक्सप्लोरेशन में रिस्क कैपिटल तो लगा सकेगी लेकिन इसे अपनी मेहनत का फल निजी साझेदारों के साथ साझा करना पड़ेगा। कंपनी की इन हाउन विशेषज्ञता और फंक्शंस को अलग-अलग एंटिटीज में बांट देने से ओएनजीसी की वैल्यू और कॉस्ट जुटाने की क्षमता कमजोर हो जाएगी। कंपनी को सेवाओं के लिए सब्सडियरीज को 18 फीसदी जीएसटी का भुगतान करना होगा लेकिन वह इनपुट क्रेडिट क्लेम नहीं कर पाएगी।

सरकार ने उद्यमों को दी अनुमति

31 मई तक कर सकेंगे अपने मासिक जीएसटी रिटर्न को EVS के जरिये वेरीफाई

नई दिल्ली। सरकार ने उद्यमों को 31 मई तक भरे जाने वाले मासिक जीएसटी रिटर्न को इलेक्ट्रॉनिक वेरीफिकेशन कोड के जरिये वेरीफाई करने की अनुमति प्रदान की है। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने एक अधिसूचना में कहा कि कोई भी पंजीकृत व्यक्ति को 21 अप्रैल, 2021 से 31 मई, 2021 की अवधि के दौरान फॉर्म जीएसटीआर-3बी में रिटर्न और बाहर की गई आपूर्ति का ब्योरा फॉर्म जीएसटीआर-1 में देने की अनुमति होगी। इसका सत्यापन इलेक्ट्रॉनिक सत्यापन कोड (ईवीसी) के जरिये होगा। फिलहाल, कंपनियों को मासिक रिटर्न फाइल करने तथा कर भुगतान के दौरान जीएसटीआर-3बी फॉर्म पर डिजिटल रूप से हस्ताक्षर की जरूरत होती है। एएमआरजी एंड एसोसिएट्स के वरिष्ठ भागीदार रजत मोहन ने कहा कि जीएसटी प्राधिकरण ने महामारी की दूसरी लहर में अंततः कोविड संकट को देखते हुए मासिक रिटर्न फाइल के रूप में पहली राहत प्रदान की है। उन्होंने कहा कि कॉरपोरेट करदाता 31 मई तक ईवीसी के जरिये मासिक अनुपालन फाइल कर सकते हैं और इससे उन हजारों करदाताओं को लाभ होगा जो 'लॉकडाउन' के दौरान डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र लेने के लिए दफ्तर नहीं जा सकते।

तेल कंपनियों ने 965 टन आक्सीजन को चिकित्सा जरूरतों के लिये भेजा

नयी दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

देश में कोराना वायरस की दूसरी लहर चलने के बीच सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनियां अपने संयंत्रों से 965 टन आक्सीजन को चिकित्सा जरूरत के लिये भेज रही हैं। पेट्रोलियम मंत्रालय ने रविवार को यह कहा। मंत्रालय ने एक के बाद एक कई ट्वीट में कहा कि सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवसथा को मजबूत बनाने की देश की जरूरत को पूरा करने के लिये हर संभव प्रयास किये जा रहे हैं। आपूर्ति श्रृंखला में जो अनदेखे स्थान रह गये उनकी कमी को दूर किया जा रहा है। मंत्रालय ने कहा, ''पेट्रोलियम क्षेत्र वर्तमान में रोजाना 965 टन तरल चिकित्सा आक्सीजन की आपूर्ति कर रहा है। तेल कंपनियों की रिफाइनरियों और संयंत्रों ने औद्योगिक इस्तेमाल के लिये अपनी जरूरतों को कम करते हुये चिकित्सा क्षेत्र में काम आने वाले तरल आक्सीजन का अधिक से अधिक उत्पादन करना शुरू कर दिया है। '' उसने कहा है कि सार्वजनिक क्षेत्र के सभी पेट्रोलियम उपक्रम देशभर में 93 स्थानों पर चिकित्सा आक्सीजन उतपादन संयंत्र लगाने के लिये काम कर रहे हैं। इसके जरिये अस्पतालों में खुद के आक्सीजन उत्पादन सुविधा खड़ी की जा सकेगी। इससे अस्पतालों में चिकित्सा श्रेणी की आक्सीजन आपूर्ति व्यवस्था को मजबूत किया जा सकेगा।

भारत पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) की बीना रिफाइनरी रोजाना 10 हजार टन गैस आक्सीजन और चार लाख लीटर पीने का पानी कोविड- 19 अस्पताल को आपूर्ति कर रही है। एक हजार बिस्तरों का यह अस्पताल मध्यप्रदेश सरकार द्वारा रिफाइनरी के नजदीक ही बनाया जा रहा है। इंडियन आयल को भी चिकित्सा आक्सीजन की आपूर्ति में आने वाली विभिन्न सुविधाओं, परिवहन और आपूर्ति रुकावटों को दूर करने के लिये कहा गया है।

फिर महंगा हुआ कच्चा तेल लेकिन यहां 13वें दिन भी स्थिर रहे पेट्रोल डीजल

नई दिल्ली। एजेंसी

कच्चा तेल उत्पादक देशों (Crude Oil Producing Countries) के संगठन ओपेक प्लस (OPEC+) देशों की आज मिनिस्ट्रियल बैठक नहीं हो रही है। ओपेक देशों का मानना है कि भले ही अभी कच्चे तेल की खपत में कमी आई हो, लेकिन अगले एक मई से फिर पहले जैसे हो जाएगा। इससे पहले भारत की स्थिति को देखते हुए ओपेक के ज्वाइंट मिनिस्ट्रियल मानिटरिंग कमेटी (JMMC) की बैठक बुधवार को होना था। इस फैसले के बाद मंगलवार को दुनिया भर में क्रूड ऑयल के दाम में बढ़ोतरी दर्ज की गई। हालांकि, भारत में आज लगातार 13वें दिन भी पेट्रोल और डीजल के दाम (Petrol-Diesel Price) में कोई फेरबदल नहीं हुआ। इससे 13 दिन पहले ही दोनों ईंधनों के दाम में कटौती हुई थी। बुधवार को दिल्ली के बाजार में पेट्रोल 90.40 रुपये प्रति लीटर जबकि डीजल 80.73 रुपये प्रति लीटर पर टिका रहा। इससे दो सप्ताह पहले, गुरुवार को पेट्रोल 16 पैसे जबकि डीजल 14 पैसे सस्ता हुआ था।

16 दिनों में ही 04.74 रुपये महंगा हुआ था पेट्रोल

इस समय देश के कई राज्यों में विधानसभा के चुनाव (Assembly Election) हो रहे हैं। इसलिए, पिछले महीने कच्चा तेल महंगा होने के बाद भी पेट्रोल-डीजल के दाम (झ्रूदत्-अ्गोत ड्डम्म) में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है। हालांकि, पिछले दिनों कच्चा तेल सस्ता होने के बाद चार किस्तों में पेट्रोल-डीजल के दाम घटे हैं। इससे पेट्रोल 77 पैसे प्रति लीटर सस्ता हुआ है। हालांकि, बीते फरवरी महीने के दौरान पेट्रोल के दाम में 16 किस्तों में बढ़ोतरी हुई थी। उससे यह 04.74 रुपये महंगा हो गया था।

16 दिनों में 4.52 रुपये महंगा हुआ था डीजल

बीते फरवरी में ही पेट्रोल के साथ-साथ डीजल भी आसमान में पहुंच गया था। उस महीने के 16 दिनों में ही इसकी कीमत 4.52 रुपये बढ़ गई थी। नए साल में देखें तो करीब डेढ़ महीने में 25 दिन ही डीजल के दाम बढ़े। लेकिन इतने दिनों में ही डीजल 07.60 रुपये प्रति लीटर महंगा हो चुका था। हालांकि, मार्च-अप्रैल के दौरान डीजल के दाम में ठहर ठहर कर चार दिन कटौती हुई। इस वजह से यह 74 पैसे प्रति लीटर सस्ता हो चुका है।

कच्चे तेल के बाजार में फिर तेजी

कच्चा तेल उत्पादक देशों (Crude Oil Producing Countries) के संगठन ओपेक प्लस (OPEC+) देशों की आज मिनिस्ट्रियल बैठक नहीं हो रही है। ओपेक देशों का मानना है कि भले ही अभी कच्चे तेल की खपत में कमी आई हो, लेकिन अगले एक मई से फिर पहले जैसे हो जाएगा। इससे पहले भारत की स्थिति को देखते हुए ओपेक के ज्वाइंट मिनिस्ट्रियल मानिटरिंग कमेटी (JMMC) की बैठक बुधवार को होना था। इस फैसले के बाद मंगलवार को दुनिया भर में क्रूड ऑयल के दाम में बढ़ोतरी दर्ज की गई। अमेरिकी बाजार में कल कारोबार की समाप्ति के समय ब्रेंट क्रूड (Brent crude oil) के दाम में 0.10 डॉलर की बढ़ोतरी के साथ 66.52 डॉलर प्रति बैरल पर बंद हुआ। यूएस वेस्ट टैक्सास इंटरमीडियएट या डब्ल्यूटीआई क्रूड (WTI) भी 0.06 डॉलर की तेजी के साथ 63.00 डॉलर प्रति बैरल पर बंद हुआ था।

डॉलर के मुकाबले रुपया 14 पैसे मजबूत खुला

नई दिल्ली। एजेंसी

विदेशी मुद्रा बाजार में डॉलर के मुकाबले रुपया आज बुधवार को मजबूती के साथ खुला। आज डॉलर के मुकाबले रुपया 14 पैसे की मजबूती के साथ 74.51 रुपये के स्तर पर खुला। वहीं, मंगलवार को डॉलर के मुकाबले रुपया 6 पैसे की मजबूती की के साथ 74.65 रुपये के स्तर पर बंद हुआ। डॉलर में कारोबार काफी समझदारी से करने की जरूरत होती है, नहीं तो निवेश पर असर पड़ सकता है। जानिए पिछले 5 दिनों के रुपये का क्लोजिंग स्तर -मंगलवार को डॉलर के मुकाबले रुपया 6 पैसे की मजबूती की के साथ 74.65 रुपये के स्तर पर बंद हुआ। -शुक्रवार को डॉलर के मुकाबले रुपया 6 पैसे की कमजोरी की के साथ 75.01 रुपये के स्तर पर बंद हुआ। -गुरुवार को डॉलर के मुकाबले रुपया 8 पैसे की कमजोरी की के साथ 74.95 रुपये के स्तर पर बंद हुआ। -मंगलवार को डॉलर के मुकाबले रुपया बिना किसी फेरबदल के 74.88 रुपये के स्तर पर बंद हुआ। -सोमवार को डॉलर के मुकाबले रुपया 53 पैसे की कमजोरी के साथ 74.88 रुपये के स्तर पर बंद हुआ था।

OPEC+ की अहम बैठक से पहले कच्चे तेल में सुस्ती

नई दिल्ली। एजेंसी

सोने-चांदी में बुधवार को गिरावट देखने को मिल रही है। अमेरिकी फेडरल रिजर्व की बैठक से पहले बॉन्ड यील्ड बढ़ने से सोने-चांदी पर दबाव है। हाजिर बाजारों की बात करें तो महाराष्ट्र, MP, दिल्ली, कर्नाटक जैसे राज्यों में लॉकडाउन से रिटेल ज्वेलरी डिमांड पर खासा असर पड़ा है। जिस तरह कोरोना के मामले बढ़ रहे हैं उससे जल्द लॉकडाउन खुलने के भी आसार नहीं है। अगले महीने अक्षय तृतीया का त्योहार है ऐसे में आगे डिमांड की स्थिति कैसी रहेगी इस हमारा फोकस होगा। इधर OPEC+ की अहम बैठक से पहले कच्चे तेल में मजबूती के साथ कारोबार हो रहा है। उम्मीद की जा रही है कि OPEC उत्पादन बढ़ोतरी के अपने फैसले में कोई बदलाव नहीं करेगा। वहीं बेस मेटल्स में आज मुनाफावसूली देखने को मिल रही है। MCX पर सोना 47,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर के करीब कारोबार कर रहा है। अमेरिका में ट्रेजरी यील्ड बढ़ने से सोने में कमजोरी देखने को मिल रही है। डॉलर में मजबूती से सोने में गिरावट आई है। ळए फेडरल रिजर्व के फैसले का इंतजार है। अमेरिका के उअ्ड आंकड़ों पर भी नजर बनी हुई है। MCX पर चांदी 68,000 के करीब पहुंची है। US में बॉन्ड यील्ड बढ़ने से चांदी फिसली है। डॉलर में मजबूती से चांदी पर दबाव बना हुआ है।

क्रूड में सुस्ती

OPEC+ की बैठक से पहले क्रूड छोटे दायरे में कारोबार कर रहा है। OPEC+ के उत्पादन बढ़ाने के फैसले में बदलाव की उम्मीद नहीं है। OPEC+ जुलाई तक उत्पादन 1.5 mbpd बढ़ाना चाहता है । भारत में कोरोना के बढ़ते मामलों से चिंता बनी हुई है। US में भंडार बढ़ने से ऊपरी स्तर पर दबाव देखने को मिल रहा है। ईरान की न्यूक्लीयर डील पर फिर बातचीत शुरू हुई है।

वर्ष 2020-21 में भारत के जैविक खाद्य उत्पादों का निर्यात 51 प्रतिशत बढ़कर एक अरब डॉलर पर पहुंचा

नयी दिल्ली। एजेंसी

देश के जैविक खाद्य उत्पादों का निर्यात सालाना आधार पर 51 प्रतिशत बढ़कर वर्ष 2020-21 में एक अरब डॉलर (7,078 करोड़ रुपये) तक पहुंच गया। वाणिज्य मंत्रालय ने मंगलवार को यह जानकारी दी। निर्यात में स्वस्थ वृद्धि दर्ज करने वाले मुख्य सामानों में तिलहन खली, तिलहन, फलों के गूदे और प्यूरी, अनाज और बाजरा, मसाले, चाय, सूखे मेवे, चीनी, दालें, कॉफी और आवश्यक तेल शामिल हैं। भारत के जैविक उत्पादों को संयुक्त राज्य अमेरिका, यूरोपीय संघ, कनाडा, ग्रेट ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, स्विट्जरलैंड, इजरायल और दक्षिण कोरिया सहित 58 देशों को निर्यात किया गया है। मौजूदा समय में जैविक उत्पादों को भारत से तभी निर्यात किया जाता है, जब वे ऑर्गेनिक प्रोडक्शन (एनपीओपी) के राष्ट्रीय कार्यक्रम की आवश्यकताओं के अनुसार उत्पादित, संसाधित, पैक और लेबल किए जाते हैं। एनपीओपी प्रमाणीकरण को यूरोपीय संघ और स्विटजरलैंड द्वारा मान्यता दी गई है जो अतिरिक्त प्रमाणन की आवश्यकता के बिना भारत को इन देशों में अप्रसंस्कृत पौध उत्पादों का निर्यात करने में सक्षम बनाता है। इसके अलावा, इसने कहा कि प्रमुख आयात करने वाले देशों के साथ व्यापार को सुविधाजनक बनाने के लिए भारत से जैविक उत्पादों के निर्यात के लिए आपसी मान्यता समझौते प्राप्त करने के लिए ताइवान, कोरिया, जापान, ऑस्ट्रेलिया, यूएई, न्यूजीलैंड के साथ बातचीत चल रही है।

VINS बायोप्रॉडक्ट्स शुरू करेगी VINCOV-19 के क्लीनिकल ट्रायल्स, DCGI से मिल गई मंजूरी

हैदराबाद। एजेंसी

VINS बायोप्रॉडक्ट्स लिमिटेड को VINCOV-19 नामक एंटीडॉट और कोविड के इलाज की दवा के क्लीनिकल ट्रायल्स (Clinical Trials) करने के लिए ड्रग्स कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया (DCGI) से मंजूरी मिल गई है। हैदराबाद की इस कंपनी ने सेंटर फॉर सेल्युलर एंड मॉलिक्यूलर बायोलॉजी और हैदराबाद यूनिवर्सिटी के साथ मिलकर इसे विकसित किया है। VINCOV-19 एक नया थेरेपेटिक प्रॉडक्ट है। इनएक्टिवेटेड कोविड वायरस के ग्लाइकोप्रोटीन बढ़ाकर, घोड़ों पर इसका टीकाकरण किया जा चुका है। टीकाकरण का नतीजा यह रहा कि घोड़ों में एंटीबॉडीज विकसित हुए। एंटीबॉडीज की मौजूदगी वाले ब्लड सीरम को घोड़ों से सिंथेसाइज किया गया और इसे कोविड19 से संक्रमित इंसानों में इंजेक्ट किया जा सकता है ताकि वायरस को बेहसर किया जा सके।

वायरस को बेअसर करने की उच्च क्षमता

VINS बायोप्रॉडक्ट्स लिमिटेड ने इम्यूनोजेन के तौर पर SARS-COV-2 स्पाइक प्रोटीन के इनएक्टिवेटेड वायरस डोमेन का चुनाव किया। नतीजा दर्शाता है कि कंपनी के प्रॉडक्ट में वायरस को बेअसर करने की उच्च क्षमता है। न्यूट्रलाइजिंग एंटीबॉडीज SARS-COV-2 के फेफड़ों में फैसले को ब्लॉक कर सकती हैं। कहा जा रहा है कि अगर न्यूट्रलाइजिंग एंटीबॉडीज को संक्रमण के शुरुआती चरण में ही मरीजों पर अप्लाई कर दिया जाए तो इसका अधिकतम फायदा सामने आना चाहिए।

300 से ज्यादा लोग होंगे शामिल

VINCOV-19 के क्लीनिकल ट्रायल्स में पूरे भारत से 300 से ज्यादा लोग शामिल होंगे। एंटीबॉडीज की सुरक्षा और प्रभावशीलता का मूल्यांकन कोविड से संक्रमित 300 मरीजों के समूह में किया जाएगा। क्लीनिकल प्लान यह है कि मरीज के संक्रमित होने की जैसे ही पहचान होगी, कोविड19 ट्रीटमेंट गाइडलाइंस के मुताबिक, हल्के से लेकर गंभीर लक्षणों वाले मरीजों को हाइपरइम्यून सीरम दिया जाएगा। विनकॉव 19 के प्री क्लीनिकल ट्रायल्स अक्टूबर 2020 में शुरू हुए थे और काफी सफल रहे थे।

ऑक्सफोर्ड एकोनॉमिक्स ने 2021 के लिये भारत के जीडीपी वृद्धि दर अनुमान को घटाकर 10.2 प्रतिशत किया

नयी दिल्ली। एजेंसी

वैश्विक आर्थिक अनुमान जताने और परामर्श देने वाली कंपनी ऑक्सफोर्ड एकोनॉमिक्स ने सोमवार को भारत के जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) वृद्धि के अनुमान को 11.8 प्रतिशत से घटाकर 10.2 प्रतिशत कर दिया। इसके लिये कोविड-19 संक्रमण के बढ़ते मामलों के कारण स्वास्थ्य सेवा पर पड़ रहा भार, टीके की कीमत को लेकर हिचक तथा महामारी की रोकथाम के लिये सरकार की ठोस रणनीति का अभाव का हवाला दिया गया है।

संस्थान ने यह भी कहा कि आने वाले समय में आवाजाही पर पाबंदी लगने की आशंका के बावजूद, भारत का स्थानीय स्तर पर 'लॉकडाउन' लगाने का निर्णय , कम कड़े प्रतिबंध और मजबूत उपभोक्ता तथा कारोबारी व्यवहार दूसरी लहर के आर्थिक प्रभाव को कम करेगा।

ऑक्सफोर्ड एकोनॉमिक्स ने कहा, ''कोविड-19 संक्रमण के बढ़ते मामलों के कारण स्वास्थ्य सेवा पर पड़ रहा भार, कीमत को लेकर हिचक तथा महामारी की रोकथाम के लिये सरकार की ठोस रणनीति के अभाव को देखते हुए हमने 2021 के लिये जीडीपी वृद्धि के अनुमान को 11.8 प्रतिशत से घटाकर 10.2 प्रतिशत करने का निर्णय किया।''

परामर्श कंपनी ने कहा कि दूसरी तिमाही में तिमाही आधार पर जीडीपी वृद्धि में संकुचन होगा। उसने यह भी कहा, ''अगर बोझ तले दबे अपने स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र के कारण महाराष्ट्र की तरह दूसरे राज्य भी कड़ाई से 'लॉकडाउन' लगाते हैं, हम अपने वृद्धि के अनुमान को और कम करेंगे।'' ऑक्सफोर्ड एकोनॉमिक्स ने कहा कि भारत की स्वास्थ्य प्रणाली संक्रमण से ज्यादा प्रभावित राज्यों में बिल्कुल धाराशायी हो गयी है। यहां तक कि राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में ऑक्सीजन और कोविड-19 अस्पतालों में बिस्तरों की कमी है। उसने कहा, ''आधिकारिक मृत्यु दर कम है लेकिन तेजी से लोगों की हो रही मौत की सही तस्वीर सामने नहीं आ रही। अब हर 10 दिन में मौत की संख्या दोगुनी हो रही है जबकि पहली लहर में यह औसतन 29 दिनों में हो रही थी....।'' स्वास्थ्य मंत्रालय के सोमवार को जारी आंकड़े के अनुसार देश में पिछले 24 घंटे में कोविड-19 के 3,52,991 नए मामले सामने आने के बाद संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर 1,73,13,163 हो गई जबकि उपचाराधीन मरीजों की संख्या 28 लाख को पार कर गई है। वहीं संक्रमण से 2,812 लोगों की मौत के बाद मृतकों की संख्या बढ़कर 1,95,123 हो गई है।

चीन से आने वाले मेडिकल इक्विपमेंट्स को बिना देरी मिल रहा कस्टम क्लियरेंस, इंपोर्टर्स बोले- कभी नहीं देखी ऐसी तेजी

नई दिल्ली। एजेंसी

कोविड19 महामारी की दूसरी लहर और भारत में इसके प्रकोप को देखते हुए देश का कस्टम विभाग, चीन से आने वाले मेडिकल इक्विपमेंट्स की तेजी से क्लियरिंग कर रहा है। विशेष रूप से उन डिवाइसेज के मामले में जल्द क्लियरिंग हो रही है, जो कोविड19 मरीजों की निगरानी और उनके इलाज में इस्तेमाल की जाती हैं। आयातकों का कहना है कि चीन से आने वाले ऑक्सिजन कंसन्ट्रेटर्स, ऑक्सिमीटर्स, वेंटिलेटर्स, पीपीई किट और थर्मामीटर जैसे इक्विपमेंट्स को प्राथमिकता और इमरजेन्सी आधार पर क्लियर किया जा रहा है। लेकिन चीन से आने वाली नॉन मेडिकल डिवाइसेज की क्लियरिंग में देरी हो रही है। पिछले साल चीन के साथ सीमा पर पैदा हुए तनाव के बाद से ही यह देरी जारी है।

पहले कभी नहीं दिखी ऐसी तेजी

गिजमोर में चीफ एग्जीक्यूटिव संजय कलिरोना का कहना है कि भारत का कस्टम विभाग चीन से आने वाले कोविड संबंधी सभी मेडिकल इक्विपमेंट को बेहद तेजी से क्लियर कर रहा है। ऐसी तेजी पहले कभी नहीं देखी गई। रविवार को दिल्ली एयरपोर्ट पर गिजमोर के ऑक्सिजन कंसन्ट्रेटर्स और ऑक्सिमीटर्स के कंसाइनमेंट्स को कस्टम्स से एक घंटे के अंदर क्लियरेंस मिल गया।

चाइनीज सप्लायर्स ने 15% तक बढ़ा दिए दाम

आयातकों का कहना है कि कोविड संबंधी मेडिकल इक्विपमेंट के ज्यादातर चाइनीज सप्लायर्स ने भारत में अचानक से बढ़ी मांग को देखते हुए कीमतें बढ़ा दी हैं। हालांकि उन्होंने उत्पादन भी बढ़ाया है। बीपीएल, इंटेक्स, गिजमोर जैसी कंपनियों का कहना है कि ऑक्सिजन कंसन्ट्रेटर्स के चाइनीज मैन्युफैक्चरर्स ने, तुरंत सप्लाई चाहने वाली भारतीय कंपनियों के लिए कीमतों को 10-15 फीसदी बढ़ा दिया है।

पैदा हो सकती हैं कुछ रुकावटें

कोविड संबंधी मेडिकल इक्विपमेंट समेत अन्य तरह के मेडिकल इक्विपमेंट्स के लिए चीन दुनिया का सबसे उत्पादक और भारत के लिए सबसे बड़ा सोर्स है। हालांकि इस बीच चीन से क्रिटिकल डिवाइसेज जैसे ऑक्सिजन कंसन्ट्रेटर्स के आयात में कुछ अवरोध पैदा होने की आशंका भी है। चीनी विमानन कंपनी सिचुआन ने भारत में कोविड के बढ़ते मामलों को देखते हुए यहां आने वाली कार्गो फ्लाइट्स को सस्पेंड कर दिया है। इसे कदम से भी इक्विपमेंट्स महंगे हो सकते हैं क्योंकि अब सामान को अन्य रूटों से होते हुए मंगाया जाएगा। लेकिन आपूर्ति में रुकावट मामूली ही रहेगी क्योंकि ज्यादातर सप्लाई उन फैक्ट्रियों से है, जो शेनझेन में हैं और वहां से माल हांग कांग होता हुआ आता है। हांग कांग से भारत के लिए उड़ानें जारी हैं।

इस्राइल की पेट्रोलियम कंपनी का यूएई के साथ 1.1 अरब डॉलर का करार

यरुशलम। एजेंसी

इस्राइल की बड़ी ऊर्जा कंपनियों में से एक डेलेक ड्रिलिंग ने अपनी एक अपतटीय गैस फील्ड में संयुक्त अरब अमीरात की कंपनी को 1.1 अरब डॉलर में एक हिस्सेदार बनाने की योजना तैयार की है। दोनों देशों के बीच पिछले साल रिश्ते सामान्य होने के बाद उनके बीच यह सबसे बड़ा सौदा है। डेलेक ड्रिलिंग इस्राइल के अरबपति उद्योगपति यितजाक त्शुवा की कंपनी है। कंपनी ने सोमवार को कहा कि उसने अबू धाबी सरकार के स्वामित्व वाले समूह की इकाई मुबादाला पेट्रोलियम के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किये। डेलेक ड्रिलिंग को अपतटीय तमार गैस फील्ड में इस साल के अंत तक 22 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचने की जरूरत है। यह 2015 के गैस रूपरेखा समझौते के अनुरूप है। इसका मकसद इस्राइली गैस क्षेत्र में और प्रतिस्पर्धा लाना है। हाल के वर्षों में बड़े अपतटीय भंडारों के खोज के साथ इस क्षेत्र में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। तमार फील्ड में 300 अरब घन मीटर से अधिक गैस होने का अनुमान है। शेवरोन और इस्राइली-अमेरिकी कंपनी इसरामको दोनों की अलग-अलग करीब एक-तिहाई हिस्सेदारी है। शेष हिस्सेदारी छोटी कंपनियों के पास है।

वित्त मंत्री ने देश के पहले थ्री डी प्रिंटेड मकान का उद्घाटन किया

चेन्नई। एजेंसी

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को आईआईटी, मद्रास में देश का पहला थ्री डी प्रिंटेड मकान का उद्घाटन किया। इसका विचार संस्थान के पूर्व छात्रों ने दिया था और इसे केवल पांच दिन में तैयार किया गया है। इस मौके पर वित्त मंत्री ने कहा कि देश को ऐसे युवा दिमाग की जरूरत जो सकारात्मकता का संचार कर सके और भारत की काबिलयत को दुनिया को दिखा सके। शहर की टीवीएएसटीए मैनुफैक्चरिंग सोल्यूशंस ने इसका निर्माण किया है। इसका विचार भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), मद्रास के पूर्व छात्रों ने दिया था।

टीवीएएसटीए मैनुफैक्चरिंग का गठन शहरी और आवास मामलों के मंत्रालय के आईआईटी, मद्रास में नये स्टार्टअपपालना घर (इनक्यूबेटर)...आशा इनक्यूबेटर... के रूप में हुआ है। थ्री डी प्रिंटेड मकान का ऑनलाइन उद्घाटन करने के बाद सीतारमण ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2022 तक सभी को मकान उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा है। समयसीमा के हिसाब से यह एक बड़ी चुनौती है। उन्होंने कहा, ''परंपरागत तरीके से मकानों का निर्माण काफी जटिल है। आपने पांच दिन में मकान बनाने का जो विचार दिया, मुझे नहीं लगता कि 2022 तक 10 करोड़ मकान बनाना कोई चुनौतीपूर्ण कार्य होगा।''

साउथ कोरिया की ऑटो कंपनी Kia ने भारत में लॉन्च किया अपना नया लोगो, कॉरपोरेट नाम भी बदला

नई दिल्ली। एजेंसी

दक्षिण कोरिया की ऑटो कंपनी किया (Kia) के पूर्ण स्वामित्व वाली कंपनी किया इंडिया (Kia India) ने भारत में अपने ब्रांड को दोबारा लॉन्च करने की घोषणा की। दक्षिण कोरिया के बाहर भारत पहला देश है जहां किया का ब्रांड रीलॉन्च हो रहा है। कंपनी ने साथ ही अपना कॉर्पोरेट नाम किया मोटर्स इंडिया से बदलकर 'किया इंडिया' कर दिया है। नए लोगो वाली कॉम्पैक्ट एसयूवी सेल्टोस (Seltos) और सब-कॉम्पैक्ट क्रॉसओवर एसयूवी सोनेट (Sonet) को मई 2021 के प्रथम हफ्ते में भारतीय बाजार में लॉन्च किया जाएगा। किया इंडिया के एमडी एवं सीईओ कूख्यून शिम ने किया के नए लोगो को लॉन्च किया। कंपनी ने किया मोटर्स इंडिया में से मोटर्स को हटा कर इसका नाम किया इंडिया कर दिया है। साथ ही कंपनी ने नया ब्रांड स्लोगन Movement that inspires लॉन्च किया है। किया इंडिया ने अनंतपुर स्थित अपने अत्याधुनिक विनिर्माण संयंत्र की क्षमता का पूरा उपयोग करने का लक्ष्य रखा है ताकि प्रॉडक्शन में तेजी लाई जा सके और ग्राहकों को जल्दी डिलीवरी की जा सके।

कम समय में कई उपलब्धियां

किया इंडिया ने कम समय में कई उपलब्धियां हासिल की हैं। इस ब्रांड ने नए प्रोडक्ट सेगमेंट्स बनाए हैं और ग्राहकों की बढ़ती आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए इनोवेशन के साथ टेक्नोलॉजी का सहारा लिया है। किया ने भारत में कनेक्टेड कार टेक्नोलॉजी को लीड किया है और आज यह ब्रांड देश में कनेक्टेड एसयूवी का लीडर है। किया भारत में 2,50,000 गाड़ियों की बिक्री का आंकड़ा सबसे जल्दी छूने वाली कंपनी है। उन्नत टेक्नोलॉजी और दमदार डिजाइन के दम पर कंपनी ने अपनी एक अलग पहचान बनाई है।

दो दशक के उच्चतम स्तर पर पहुंचा नकदी का चलन

नई दिल्ली। एजेंसी

भारतीय अर्थव्यवस्था में नकदी का चलन (करेंसी सर्कुलेशन) दो दशक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है। भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़े के अनुसार, मार्च, 2021 तक भारतीय अर्थव्यवस्था में नकदी का चलन बढ़कर 28.6 खबर पहुंच गया। यह पिछले साल के मुकाबले 16.8 फीसदी अधिक है। जानकारों का कहना है कि कोरोना महामारी की अनिश्चितता के कारण सर्तकता बरते हुए लोगों ने नकदी को प्राथमिकता दी है। इससे अर्थव्यवस्था में नकदी का चलन बढ़ा है।

260 फीसदी का आया उछाल

रिपोर्ट के मुताबिक, भारत की जीडीपी के अनुपात में नकदी का चलन मार्च, 2021 तक बढ़कर 14.6 फीसदी पर पहुंच गया। वहीं, मार्च, 2020 तक यह अनुपात 12 फीसदी पर था। यानी पिछले साल के मुकाबले इसमें 260 फीसदी का उछाल आया है जो पहली बार हुआ है। ऐसा नोटबंदी के बाद भी देखने को नहीं मिला था। भारत की मौजूदा जीडीपी का साइज 195.9 खरब रुपये आंका जा रहा है।

साल 2010 के बाद सबसे बड़ा उछाल

नकदी का चलन में बढ़ोतरी पिछले वित्त वर्ष में देखी गई है वह 2010-11 के बाद का सबसे बड़ा उछाल है। उस समय 18.8 फीसदी की बढ़ोतरी एक साल में दर्ज की गई थी। हालांकि, नोटबंदी के बाद 2017-18 में 37 फीसदी की भी वृद्धि दर्ज की गई लेकिन वह असमान्य घटना थी।

नकदी पर निर्भरता बढ़ी

देश में कोविड-19 की दूसरी लहर के चलते पिछले दो माह में लोगों की नकदी पर निर्भरता में बढ़ोतरी हुई है। आरबीआई के आंकड़ों के मुताबिक, 9 अप्रैल को समाप्त पखवाड़े के दौरान नागरिकों के पास नकदी 30,191 करोड़ रुपये बढ़कर 27,87,941 करोड़ रुपये के नए स्तर पर पहुंच गई। 27 फरवरी से 9 अप्रैल के दौरान की 6 सप्ताह की अवधि में लोगों के पास नकदी 52,928 करोड़ रुपये बढ़ गई। इसकी वजह सरकार द्वारा फिर से लॉकडाउन लगाए जाने का डर है।

लोगों का नकद पर क्यों बढ़ा भरोसा

वित्तीय विशेषज्ञों का कहना है कि पिछल साल लॉकडाउन के दौरान भी लोगों ने ज्यादा नकदी जमा की थी। भारतीय समाज की अवधारणा को देखें तो जब भी संकट जैसी स्थिति पैदा हुई है, तब घरों में नकदी जमा करने की प्रवृत्ति रही। यह कारण है कि इस साल भी नकदी की मांग में बढ़ोतरी रही है क्योंकि कोरोना की दूसरी लहर बहुत ही घातक होती जा रही है।

असम में 6.4 तीव्रता के भूकंप के झटके...बिहार, बंगाल से लेकर अरुणाचल तक सहमे लोग

गुवाहाटी। एजेंसी

असम के तेजपुर में भूकंप के लगातार झटके महसूस किए गए। बुधवार सुबह 7 बजकर 51 मिनट पर आए इस झटके की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 6.4 मापी गई। यह झटका इतना तेज था कि पड़ोस के अरुणाचल प्रदेश से लेकर पश्चिम बंगाल के उत्तरी हिस्से और बिहार तक महसूस किया गया।

राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार असम के तेजपुर के करीब भूकंप का पहला झटका सुबह 7 बजकर 51 मिनट पर महसूस किया गया। तेजपुर से 43 किलोमीटर पश्चिम में जमीन से 17 किलोमीटर नीचे भूकंप का केंद्र रहा। इसके कुछ मिनट के बाद ही दो और झटके महसूस किए गए, जिनकी तीव्रता 4.3 और 4.4 रही।

भूकंप का झटका इतना तेज था कि असम में कई जगहों पर दीवारों में दरारें पड़ गईं। वहीं कुछ जगहों पर दीवार और छज्जे भी गिर गए। सोशल मीडिया पर लोगों ने अपना अनुभव साझा करते हुए बताया कि झटका 30 सेकेंड तक आया। जान-माल के किसी तरह के नुकसान की जानकारी नहीं मिली है।

भूकंप को लेकर असम के सीएम सर्बानंद सोनोवाल ने कहा, 'असम में बड़ा भूकंप आया है। मैं सभी लोगों की कुशलता की कामना करने के साथ ही अलर्ट रहने की अपील भी करता हूं। मैं सभी जिलों से अपडेट ले रहा हूं।' अरुणाचल के ईंटानगर से लेकर बंगाल के कूचबिहार तक झटके महसूस किए गए। साथ ही बिहार के कई जिलों में भूकंप के झटके, सुबह करीब 7:55 पर महसूस किए गए झटके। मुंगेर, कटिहार, किशनगंज, भागलपुर, पूर्णिया, खगड़िया समेत कई इलाकों में लोगों ने महसूस किए भूकंप के झटके।

एनटीपीसी समुद्री पानी से तैयार पेय जल बेचेगी

नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

सार्वजनिक क्षेत्र की एनटीपीसी ने तमिलनाडु में अपनी संयुक्त उद्यम परियोजना एनटीईसीएल वल्लुर में समुद्र के पानी से नमक की मात्रा हटाकर पीने योग्य बनाए गए पानी 'डिसैलिनेटेड वाटर को बेचने के लिए रूचि पत्र (ईओआई) आमंत्रित किए हैं। एनटीईसीएल, एनटीपीसी और तमिलनाडु उत्पादन और वितरण कंपनी लि. (टैनजेडको) की संयुक्त उद्यम है। इसमें दोनों की हिस्सेदारी 50:50 प्रतिशत है। वल्लुर तापीय बिजली घर की क्षमता 1500 मेगावाट (500-500 मेगावाट की तीन इकाइयां) है। यह एनटीईसीएल की एकमात्र बिजली संयंत्र है, जो तमिलनाडु के वल्लुर में स्थित है। रूचि पत्र दस्तावेज के अनुसार, ''एनटीपीसी कंपनियों/उनके समूह/संबद्ध/प्रतिनिधि इकाइयों से एनटीईसीएल वल्लुर संयंत्र में उत्पादित 'डिसैलिनेटेड मिनरल पानी की बिक्री के लिए रूचि पत्र आमंत्रित कर रही है। दस्तावेज के अनुसार रूचि पत्र जमा करने की अंतिम तिथि 15 मई, 2021 है।

...तो अभी नहीं मिलेगी कोरोना के कहर से राहत?

केंद्र ने राज्यों को दिए अगले एक महीने की तैयारी के आदेश

नयी दिल्ली। एजेंसी

कोरोना महामारी थमने का नाम नहीं ले रही है। मौजूदा हालात को देखकर आने वाले दिनों में संक्रमण में कमी के आसार नहीं हैं। सोमवार को साढ़े तीन लाख से अधिक नए संक्रमण सामने आए। इस बीच चिंतित केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने राज्यों को निर्देश जारी कर कहा है कि वे कोरोना मरीजों के उपचार की मौजूदा जरूरतों की पूर्ति करने के साथ-साथ अगले एक महीने की स्थिति का आकलन कर आवश्यक संसाधन तैयार रखें।

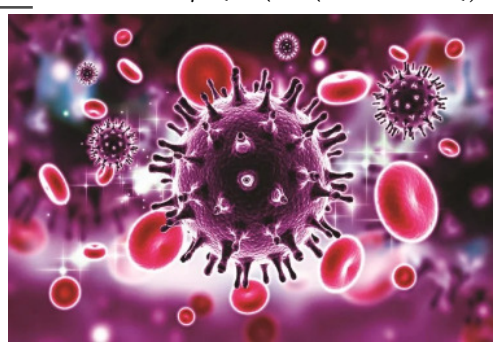

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की तरफ से राज्यों के लिए यह गाइडलाइन जारी की गई है। जिसमें मुख्य रूप से इस बात पर जोर दिया गया है कि जिस भी इलाके या जिले में संक्रमण दर 10 फीसदी से ज्यादा है, वहां कोरोना की रोकथाम के लिए व्यापक कदम उठाए जाएं। इसी एडवाइजरी में राज्यों से कहा गया है कि वे मौजूदा मरीजों को बेहतर उपचार के लिए आवश्यक प्रबंध करें। साथ ही अगले एक महीने की स्थिति का पूर्व आकलन करें और उसके अनुसार उपचार ढांचा तैयार करें। इसमें आक्सीजन युक्त बेड, आईसीयू बेड, एम्बुलेंस, अस्पताल आदि शामिल हैं। साथ ही राज्यों को क्वारंटीन सुविधाएं भी विकसित करने को कहा गया है।

अस्थायी अस्पताल बनाएं

राज्यों से कहा गया है कि वे अपने यहां उपलब्ध सभी किस्म की स्वास्थ्य सुविधाओं का इस्तेमाल सुनिश्चित करें। इनमें सरकारी अस्पतालों के साथ-साथ निजी अस्पतालों, सार्वजनिक कंपनियों के अस्पतालों, रेलवे आदि की सुविधाओं का भी उपयोग सुनिश्चित करें। जरूरत के अनुसार अस्थायी अस्पतालों की भी स्थापना करें।

सख्त कदम उठाने का सुझाव

राज्यों को कहा गया है कि वह कोरोना व्यवहार का पालन सुनिश्चित करने के लिए सख्त कदम उठाएं। बुखार के लक्षणों वाले सभी रोगियों की कोरोना जांच सुनिश्चित करें ताकि संदिग्ध मरीज छूटने नहीं पाएं। स्थिति के अनुसार छोटे या बड़े कंटेनमेंट जोन बनाएं और संक्रमण की चेन तोड़ने के लिए उनमें कम से कम 14 दिन के लिए प्रतिबंध लागू रखें।

भयभीत नहीं हों

मंत्रालय ने कहा कि लोग भयभीत नहीं हो। कई लोग भय के कारण अस्पताल के बिस्तरों पर कब्जा जमाए पाए गए हैं। यह ठीक नहीं है। डॉक्टर की सलाह पर ही अस्पताल में भर्ती हों ताकि बेड ज्यादा गंभीर रोगियों को मिल सके। इसी प्रकार रेमडेसिविर को लेकर भी सरकार ने फिर आगाह किया है।

कोरोना की जांच में RT-PCR में आने वाली CT वैल्यू क्या है? इससे क्या पता चलता है आपके इन्फेक्शन के बारे में?

नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

कोरोना के बढ़ते आंकड़ों के बीच वैक्सीनेशन और टेस्टिंग पर जोर दिया जा रहा है। हल्के लक्षण दिखते ही आपको सलाह दी जाती है कि कोरोना का टेस्ट कराएं। कोरोना की पुष्टि के लिए भी अलग-अलग टेस्ट होते है जैसे रैपिड एंटीजन टेस्ट, RT-PCR टेस्ट आदि। इसमें RT-PCR टेस्ट को गोल्ड स्टैंडर्ड टेस्ट माना गया है। यानी इस टेस्ट के नतीजे अन्य टेस्ट के मुकाबले ज्यादा सटीक होते है। आइए समझते हैं कि RT-PCR क्या है, यह कैसे किया जाता है और इसमें सबसे जरूरी CT वैल्यू क्या है...

RT-PCR टेस्ट होता क्या है?

RT- PCR टेस्ट यानी रिवर्स ट्रांसक्रिप्शन पोलीमरेज़ चेन रिएक्शन टेस्ट। इस टेस्ट में किसी भी वायरस के जेनेटिक मटेरियल को टेस्ट किया जाता है। दरअसल, कोरोना वायरस एक RNA वायरस है यानी यह केवल RNA प्रोटीन से बना है। इसलिए कोरोना वायरस के RNA को पहले DNA में बदला जाता है। इस प्रक्रिया को रिवर्स ट्रांसक्रिप्शन कहा जाता है। फिर इस DNA में चेन रिएक्शन करवाई जाती है। आसान भाषा में इसे आप फोटोकॉपी की तरह मान सकते हैं। इस चेन रिएक्शन के जरिए सैंपल में कोरोना वायरस का पता लगाया जाता है।

CT वैल्यू क्या है?

आसान भाषा में समझें तो आपके DNA में कितनी बार चेन रिएक्शन करवाई जाए, जिससे वायरस के होने या न होने की पुष्टि हो जाए, इसे ही CT वैल्यू यानी साइकिल थ्रेशोल्ड कहते है। ICMR ने कोरोना वायरस की पुष्टि के लिए ये संख्या 35 निर्धारित कर रखी है। यानी एक सैंपल में 35 बार ही ये रिएक्शन करवाना है।

CT वैल्यू का संक्रमण से क्या लेना-देना है?

लोगों को ये भ्रम रहता है कि कम एऊ वैल्यू का मतलब कम संक्रमण, लेकिन एऊ वैल्यू का संक्रमण से एकदम उल्टा संबंध है। यानी एऊ वैल्यू जितनी कम, संक्रमण उतना ही ज्यादा और एऊ वैल्यू जितनी ज्यादा, संक्रमण उतना ही कम।

कैसे डिसाइड होता है कि सैंपल पॉजिटिव है या निगेटिव?

किसी भी सैंपल को पॉजिटिव या निगेटिव मानने के लिए एऊ वैल्यू को आधार बनाया जाता है। फिलहाल ICMR ने एऊ वैल्यू 35 निर्धारित कर रखी है। यानी 35 और इससे कम CT वैल्यू के सभी सैंपल पॉजिटिव माने जाएंगे और 35 के ऊपर के सभी सैंपल निगेटिव।

इन्फेक्शन होने पर भी RT-PCR निगेटिव क्यों आ रहा है?

मुंबई के जसलोक हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर में कंसल्टंट डॉ. पिनांक पांड्या का कहना है कि कहीं न कहीं नए वैरिएंट्स इसके लिए जिम्मेदार हैं। दरअसल, RT-PCR ए-जीन को डिटेक्ट करता है। HV69 और HV70 को डिटेक्ट नहीं कर रहा। ए-जीन की रिपोर्ट निगेटिव आने पर लैब निगेटिव रिपोर्ट दे देते हैं। ORF और N जीन पॉजिटिव आते हैं तो उसे निगेटिव नहीं मानते।

वहीं, मुंबई में पीडी हिंदुजा हॉस्पिटल एंड मेडिकल रिसर्च सेंटर, खार फेसिलिटी के हेड क्रिटिकल केयर डॉ. भरेश डेढ़िया कहते हैं कि RT-PCR टेस्ट वायरस के RNA को डिटेक्ट करता है। नए वैरिएंट्स में RNA में बड़ा बदलाव नहीं हुआ है। समस्या यह है कि RT-PCR टेस्ट का एफिकेसी रेट 60-70% , जिसका मतलब है कि 30-40% पॉजिटिव केसेज निगेटिव रिजल्ट दे सकते हैं।

उनका कहना है कि अन्य टेस्ट की बात करें तो रैपिड एंटीजन टेस्ट का एफिकेसी रेट 50-60% है, जो RT-PCR से काफी कम है। पहली बार में RT-PCR टेस्ट में एफिकेसी रेट 60-70% है। वहीं दो दिन के अंतर से दूसरी बार टेस्ट करेंगे तो एफिकेसी रेट 80% होगा। तीन बार टेस्ट करने पर एफिकेसी रेट 90% हो जाएगा। यानी तीन बार टेस्ट करने पर सबसे सटीक नतीजा मिलेगा। फिर भी बेहतर होगा कि लक्षण होने पर HR-CT टेस्ट करा लिया जाए, जिसका एफिकेसी रेट 80% है। मेडिकल प्रोफेशनल्स ब्लड टेस्ट भी करा रहे हैं, ताकि सही स्थिति का पता चल सके।

RT-PCR निगेटिव आने पर चेस्ट सीटी स्कैन का क्या रोल है?

फेफड़ों में संक्रमण का पता लगाने के लिए चेस्ट का सीटी स्कैन भी किया जाता है। डॉ. चंदानी के मुताबिक कोविड-19 रिपोर्ट निगेटिव आने के बाद लोग अपने घरों में रहते हैं। प्रोटोकॉल का पालन नहीं करते हैं और अन्य लोगों को वायरस ट्रांसमिट कर रहे हैं। जब हम CT स्कैन कराते हैं तो पता चलता है कि फेफड़ों में 10, 20 से 30% तक इन्फेक्शन है। पहली लहर के मुकाबले यह बहुत ज्यादा हो रहा है।

वहीं, भोपाल में ही कोरोना वार्ड में सेवाएं दे रहे डॉ. तेजप्रताप तोमर का कहना है कि पहली और दूसरी लहर में बहुत अंतर है। पहले 10 में से एक मरीज के CT स्कैन में डैमेज दिखता था, अब 10 में से 5-6 मरीज के फेफड़ों में इन्फेक्शन दिख रहा है।

CT स्कोर और CT वैल्यू में क्या अंतर है?

CT वैल्यू CT-PCR से आती है, जिससे पता चलता है कि इन्फेक्शन का स्तर कितना है। इसके मुकाबले CT स्कोर का मतलब है सीटी स्कैन में फेफड़ों को कितना नुकसान पहुंचा है। इन दोनों का आशय भी अलग होता है। एऊ वैल्यू जितनी कम, उतना ही वायरल लोड ज्यादा। इसी तरह एऊ स्कोर जितना ज्यादा, फेफड़ों को नुकसान उतना अधिक।

Covid-19: फेफड़ों पर वार करता है कोरोना, खुद को इस तरह रखें सुरक्षित

नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

कोरोना महामारी की दूसरी लहर से पूरा देश प्रभावित है। इस बार कोरोना वायरस सीधे आपके फेफड़ों को नुकसान पहुंचा रहा है। लगातार ऐसे मामले सामने आ रहे हैं जिनमें कोरोना के लक्षण दिखने से पहले ही लोगों के 25% फेफड़े प्रभावित हो गए है। पर कुछ घरेलू उपाए और सही समय पर डॉक्टर से सलाह लेने से आप अपने फेफड़ों को सुरक्षित रख सकते है। आइए जानते हैं किन तरीकों से हम अपने फेफड़ों को मजबूत रख सकते हैं।

इन घरेलू उपाए को अपनाएं

■गर्म पानी का भाप ले दिन में तीन से चार बार। पानी में अगर अजवाइन और कपूर डाले तो और बेहतर होगा। ■हल्के गुनगुने पानी में नीबू डालकर पानी पीते रहें। अगर नीबू न हो तो गर्म पानी का सेवन भी फेफड़े को संक्रमण से बचाता है। ■ ठंडे पानी का सेवन बिल्कुल न करें। फलों में संतरा,सेब और नारियल का पानी पीते रहें।

इन तरीकों से फेफड़े को बनाएं मजबूत

■सुबह उठकर अनुलोम-विलोम करें
■सीढ़ियों पर चढ़े-उतरे
■गुब्बारों को फुलाएं
■20 सेकंड से 60 सेकंड तक श्वास को रोकें। ऐसा तीन बार करें

कैसे पहचाने आपके फेफड़े हो रहे संक्रमित

■अगर सांस लेने में दिक्कत हो रही हो तो समझ लें की वायरस फेफड़ों को संक्रमित कर रहा है।
■फेफड़े के निचले हिस्से में सूजन या तेज दर्द हो तो तुरंत डॉक्टर से सलाह लें।
■सूखी खांसी आना, खासते वक्त सीने में दर्द होना भी कोरोना का लक्षण है ।

लक्षण दिखने पर क्या करें

■सबसे पहले घबराएं नहीं। डॉक्टर से सलाह लें।
■अपने फेफड़े का सीटी स्कैन कराएं।
■हर आधे घंटे पर ऑक्सी मीटर से अपना ऑक्सीजन लेवल चैक करें।
■परिवार के अन्य लोगों से दूरी बनाए। अपने आप को किसी अन्य के संपर्क में न आने दें।
■खाली पेट बिल्कुल न रहे। खाली पेट रहने से वायरस आपके शरीर को ज्यादा प्रभावित कर सकता है।

कोविड19 वैक्सीन के लिए क्या है वह कच्चा माल, जिसे अमेरिका से मंगाना है जरूरी

नई दिल्ली। एजेंसी

कोरोना वायरस के बढ़ते संक्रमण, ऑक्सिजन संकट और वैक्सीन को लेकर भारत के लिए रविवार को राहत भरी खबर आई। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन (व्दा ँग्ह) के नेतृत्व में अमेरिकी प्रशासन कोविड.19 महामारी से लड़ाई में भारत को इमरजेंसी सहायता मुहैया कराने के लिए तैयार हो गया है। इसके साथ ही अमेरिका कोविशील्ड वैक्सीन के भारतीय निर्माता को तत्काल कच्चा माल मुहैया कराने को लेकर दिन-रात काम कर रहा है। बता दें कि भारत ने अमेरिका से कोविशील्ड टीके के उत्पादन के लिए कच्चे माल की सप्लाई का अनुरोध किया था। कोविशील्ड का उत्पादन करने वाली सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के सीईओ अदार पूनावाला ने भी अमेरिकी राष्ट्रपति से वैक्सीन के कच्चे माल पर से प्रतिबंध हटाने की अपील की ताकि भारत में इसका उत्पादन बढ़ाया जा सके। भारत की इस अपील पर पहले तो अमेरिका फर्स्ट कहते हुए अमेरिका ने इनकार ही कर दिया था लेकिन अब वह मदद के लिए राजी दिख रहा है।

वैक्सीन के लिए किस कच्चे माल की दरकार

वर्ल्ड ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन (WTO) की एक रिपोर्ट के मुताबिक, वैक्सीन बनाने वाले कारखाने में लगभग 9 हजार अलग.अलग तरह के मटेरियल लगते हैं। ये उत्पाद 30 अलग-अलग देशों के 300 सप्लायर्स से मिलते हैं। ऐसा केवल भारत के साथ नहीं, बल्कि वैक्सीन निर्माण करने वाले लगभग सभी देशों के साथ है। वैक्सीन प्रोडक्शन में इस्तेमाल की जाने वाली कुछ अहम चीजें बायो रिएक्टर बैग, फिल्टर, सेल कल्चर मीडिया, Lipid नैनोपार्टिकल्स, माइक्रोकैरियर्स, माइक्रोकैरियर बीड्स हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि वैक्सीन बनाने में प्लास्टिक बैग्स, फिल्टर्स और सेल कल्चर मीडिया की अहम भूमिका रहती है।

बायोरिएक्टर बैग: यह प्लास्टिक का डिस्पोजेबल बैग होता है, जो वैक्सीन के लिए जरूरी वायरस को विकसित करने के लिए बड़ी संख्या में सेल्स को आर्टिफीशियली ग्रो करने की प्रक्रिया में इस्तेमाल होता है। बायोरिएक्टर बैक का इस्तेमाल विभिन्न सामग्रियों को मिलाने में भी होता है। यह तभी जरूरी होता है, जब मैन्युफैक्चरर सिंगल यूज बायोरिएक्टर इस्तेमाल कर रहा हो। तब नहीं जब स्टेटिक, स्टेनलेस स्टील बायोरिएक्टर इस्तेमाल किया जा रहा हो।

फिल्टर: विभिन्न मैटेरियल्स से बने फिल्टर्स, वैक्सीन बनाने के लिए जरूरी वायरस के विकसित होने के बाद वैक्सीन के क्लेरिफिकेशन, प्योरिफिकेशन और स्टर्लाइजेशन में इस्तेमाल होते हैं।

सेल कल्चर मीडिया: यह एक तरह का जेल या लिक्विड होता है, जो लैब में सेल्स को विभिन्न कंपाउंड्स और न्यूट्रीएंट्स सप्लाई कर उनकी ग्रोथ में मदद करता है। लिपिड नैनोपार्टिकल्स: ड्रग सब्सटेंस को इसकी डिलीवरी के लिए इनकैप्सुलेट करने में इस्तेमाल होता है।

माइक्रोकैरियर्स/ माइक्रोकैरियर बीड्स: नॉन टॉक्सिक मैटेरियल के बने छोटे-छोट गोले, बायोलॉजिक्स और वैक्सीन्स के प्रॉडक्शन में प्रोटीन पैदा करने वाले या वायरस जनरेट करने वाले सेल्स की ग्रोथ में इस्तेमाल होते हैं।

अमेरिका में ही सबसे ज्यादा उत्पादन

वैक्सीन के लिए कच्चे माल के लिए अमेरिका के अलावा यूरोप के कई देश भी उत्पादक हैं लेकिन वैक्सीन बनाने के दौरान काम आने वाली कई चीजों, जैसे प्लास्टिक और कई तरह के प्रतिक्रियाशील द्रव्य का सबसे बड़ा सप्लायर अमेरिका ही है। इसके अलावा प्रोटीन को शुद्ध करने के लिए जो फिल्टर चाहिएए वो भी सबसे ज्यादा अमेरिका बनाता है। इसलिए अमेरिका पर निर्भरता ज्यादा है। जर्मनी, स्वीडन, फ्रांस, स्विट्जरलैंड जैसे देशों में भी कच्चा माल बनता है लेकिन इतना ज्यादा नहीं कि वहां से मंगाकर भारत का काम चल जाए।

इन राशियों पर रहती है हनुमान जी की विशेष कृपा

आज हनुमान जी का जन्मोत्सव मनाया जा रहा है। हर साल चैत्र शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा पर हनुमान जी का जन्मोत्सव मनाया जाता है और आज चैत्र शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि है। इसी पावन दिन हनुमान जी ने माता अंजनी की कोख से जन्म लिया

था। हनुमान जी इस कलयुग में जागृत देव हैं। जो व्यक्ति सच्चे मन से हनुमान जी की पूजा- अर्चना करता है, उस पर हनुमान जी की विशेष कृपा रहती है। ज्योतिष मान्यताओं के अनुसार कुछ राशियों पर भी हनुमान जी की विशेष कृपा बनी रहती है। आइए जानते हैं किन राशियों पर हनुमान जी की विशेष कृपा रहती है...

मेष राशि

■ज्योतिष मान्यताओं के अनुसार मेष राशि के जातकों पर हनुमान जी की विशेष कृपा रहती है। ■मेष राशि के जातकों की इच्छाशक्ति बहुत मजबूत होती है। ■हनुमान जी की कृपा से मेष राशि के जातकों का आर्थिक पक्ष भी मजबूत होता है।

कुंभ राशि

■ज्योतिष मान्यताओं के अनुसार हनुमान जी की कृपा से कुंभ राशि के जातकों को कार्यों में सपलता जल्दी प्राप्त हो जाती है। ■कुंभ राशि पर हनुमान जी की विशेष कृपा बनी रहती है। ■कुंभ राशि के जातकों को धन की कमी भी नहीं होती है।

सिंह राशि

■ज्योतिष मान्यताओं के अनुसार हनुमान जी की कृपा से सिंह राशि वाले जातकों से संकट दूर रहते हैं। ■इस राशि के लोगों का आर्थिक पक्ष भी मजबूत होता है। ■हनुमान जी की कृपा से नौकरी और व्यवसाय में तरक्की मिलती है।

वृश्चिक राशि

■वृश्चिक राशि के जातकों पर हनुमान जी अपनी कृपा की बरसात करते हैं। ■इस राशि के लोगों के कार्यों में कोई बाधा नहीं आती है। ■हनुमान जी की कृपा से नौकरी में तरक्की मिलती है।

वास्तु शास्त्र के अनुसार इन 5 जगहों पर जूते-चप्पल पहनकर कभी नहीं जाना चाहिए, होता है अशुभ

जाने-अनजाने में अक्सर हम ऐसी गलतियां कर बैठते हैं जो वास्तु दोष का कारण बनती हैं। कहा जाता है कि घर में वास्तु दोष होने पर आर्थिक तंगी, स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों समेत पारिवारिक कलह तक का सामना करना पड़ सकता है। कई बार जाने-अनजाने में हम जूते-चप्पल ऐसी जगहों पर भी पहनकर चले जाते हैं, जिससे वास्तु दोष होता है। शास्त्रों में 5 ऐसी जगहों के बारे में बताया है कि जहां जूते-चप्पल पहनकर जाने से अशुभ होता है। अक्सर इस गलती के कारण लोगों को मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। जानिए किन जगहों पर भूलकर भी नहीं पहनकर जाने चाहिए जूते-चप्पल-

1. भंडार घर- वास्तु शास्त्र के अनुसार, भंडार घर में जूते-चप्पल पहनकर नहीं जाने चाहिए। इस बात का ध्यान रखने से घर में कभी भी अन्न की कमी नहीं होती है।

2. तिजोरी के पास- तिजोरी में कुछ रखने जाने से पहले जूते-चप्पल को निकाल देना चाहिए। कहते हैं कि तिजोरी को जूते-चप्पल पहनकर खोलने से मां लक्ष्मी नाराज हो सकती हैं। जिसके कारण आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ सकता है।

3. पवित्र नदी- वास्तु शास्त्र के अनुसार, पवित्र नदी के पास जूते-चप्पल कभी पहनकर नहीं जाने चाहिए। नदियों में स्नान करने से पहले जूते-चप्पल या चमड़े से बनी वस्तुएं निकाल देनी चाहिए। कहते हैं कि ऐसा करने से घर में सुख-शांति बनी रहती है।

4. रसोई घर- कहा जाता है कि रसोई घर में कभी भी जूते-चप्पल पहनकर नहीं जाने चाहिए। ऐसा करने से मां अन्नपूर्णा नाराज होती हैं और जातक को जीवन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

5. मंदिर- हिंदू धर्म में मंदिर को भगवान का घर माना जाता है। ऐसे में मंदिर में कभी भी जूते-चप्पल पहनकर नहीं जाने चाहिए। मान्यता है कि यहां जूते-चप्पल पहनकर जाने से देवी-देवता नाराज हो जाते हैं।

स्वस्थ, सुखी और समृद्ध होना है तो कैसे दें सूर्य देवता को अर्घ्य, जानिए

नित्य प्रातः तांबे के लोटे में शुद्ध जल भर लें। फिर सूर्य देवता के सम्मुख खड़े होकर दोनों हाथों से लोटे को ऊंचा उठाकर अर्घ्य देना चाहिए। अर्घ्य के जल में (विशेष रूप से रविवार को) लाल पुष्प, अक्षत, कुंमकुंम डालने से विशेष लाभ की प्राप्ति होती है।

सूर्य देवता को अर्घ्य जब दे रहे हैं, तब यह मंत्र आह्वान करने का संकल्प लेना चाहिए -

एहि सूर्य! सहस्त्रांशो! तेजो राशे! जगत्पते!
अनुकम्प्यं मां भक्त्या गृहाणार्घ्य दिवाकर!

भावार्थ- हे सहस्त्रांशो! हे तेजो राशे! हे जगत्पते! मुझ पर अनुकंपा करें। मेरे द्वारा श्रद्धा-भक्तिपूर्वक दिए गए इस अर्घ्य को स्वीकार कीजिए, आपको बारंबार शीश नवाता हूं।

वैसे अग्रलिखित मंत्र आह्वान में भी दिव्य शक्ति विद्यमान है, जो ये हैं-

ॐ आरोग्य प्रदायकाय सूर्याय नमः।
ॐ हीं हीं सूर्याय नमः।
ॐ आदित्याय नमः।
ॐ घ्रणि सूर्याय नमः।

इस प्रकार सूर्य नमस्कार एवं सूर्योपासना द्वारा शरीर को स्वस्थ, सुखी, समृद्ध और खुशहाल बनाया जा सकता है। ऐसे स्वास्थ्य के देवता को शत्-शत् नमन!

शक्ति प्रदर्शन करते बजरंगबली का घर में लगाएं चित्र, रोग-भय सब हो जाएंगे दूर

संकट मोचक हनुमान जी अपने भक्तों के हर दुख और संकट को दूर करने वाले हैं। बजरंगबली की अराधना से भक्तों के जीवन में खुशियों का संचार होता है और रोग, भय सब दूर हो जाते हैं। वास्तु में कुछ आसान से उपाय बताए गए हैं जिनकी सहायता से पवनपुत्र हनुमान जी की कृपा पाई जा सकती है। आइए जानते हैं इन उपायों के बारे में। मंगलवार का दिन हनुमान जी का दिन माना जाता है। मंगलवार सुबह गाय को रोटी खिलाएं। हनुमान मंदिर में नारियल अर्पित करें। मंदिर में ध्वजा अर्पित कर भगवान से प्रार्थना करें। ऐसा करने से आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी। मंगलवार को जरूरतमंदों को दान करें। हनुमान जी को गुड़ का भोग लगाएं। गुड़ को बाद में गाय को खिला दें। हनुमान जी को लाल रंग का रुमाल अर्पित करें। मंगलवार और शनिवार को हनुमानजी का दिन कहा गया है। इस दिन पीपल की पूजा करने से हर मनोकामना पूर्ण होती है। रोजाना सुबह या संध्या हनुमान जी के मंदिर में सरसों के तेल का दीया मिट्टी के दीपक में जलाएं। हनुमान चालीसा का पाठ करें। रामायण या श्रीरामचरितमानस का पाठ कर सकते हैं। हनुमान जयंती पर पवनपुत्र का चित्र घर में पवित्र स्थान पर इस प्रकार लगाएं कि हनुमान जी दक्षिण दिशा की ओर देखते हुए नजर आएं। दक्षिण दिशा की ओर मुख कर बजरंगबली विशेष बलशाली हैं। जिस रूप में बजरंगबली अपनी शक्ति का प्रदर्शन कर रहे हो ऐसे चित्र घर में लगाने से किसी भी बुरी शक्ति का प्रवेश नहीं होता है। मंगलवार के दिन किसी को भी भूलकर भी धन नहीं दें। न ही इस दिन किसी से धन लें। मंगलवार के दिन सात्विक रहें। मंगलवार के दिन श्रृंगार का सामान न खरीदें।

जीवन में सुख शांति के लिए करें सिंदूर के यह उपाय

वास्तु के लिहाज से सिंदूर का विशेष महत्व है। सिंदूर हर सुहागन स्त्री के श्रृंगार का अहम हिस्सा है। सुहागन स्त्री सिंदूर से अपनी मांग भरती है। शास्त्रों में कहा गया है कि स्त्री के सिंदूर लगाने से उसके पति की आयु लंबी होती है। रोगों से उसकी रक्षा होती है। हर रोज सूर्यदेव को अर्घ्य देते समय थोड़ा सा सिंदूर जल में मिला लें। अपने घर के दरवाजे पर सिंदूर से स्वास्तिक के निशान बना दें। ऐसा करने से घर में सुख शांति बनी रहती है। जिन घर में पति-पत्नी में अक्सर झगड़ा होता है, उन्हें इस उपाय को अवश्य आजमाना चाहिए। माना जाता है कि घर के मुख्य दरवाजे पर तेल में सिंदूर मिलाकर लगाने से घर में नकारात्मक ऊर्जा का प्रवेश नहीं होता। ऐसा लगातार 40 दिन करने से घर में मौजूद वास्तुदोष दूर हो जाता है। हिंदू धर्म के अनुसार देवी-देवताओं की पूजा भी बिना सिंदूर अधूरी होती है। धन की हानि हो रही है तो ऐसी समस्याओं को दूर करने के लिए पांच मंगलवार और शनिवार तक चमेली के तेल में सिंदूर मिलाकर हनुमान जी को चढ़ाएं। चमेली के तेल में सिंदूर मिलाकर हनुमान जी को अर्पित करें। ऐसा करने से कारोबार में उन्नति होगी और धन से संबंधित सारी समस्याएं दूर हो जाएंगी। सिंदूर को मरीज के ऊपर से उतारकर बहते हुए जल में प्रवाहित करने से बीमारी में तेजी से लाभ मिलता है। घर के मुख्य द्वार पर सिंदूर चढ़ी हुई भगवान श्रीगणेश की मूर्ति लगाने से घर में सुख, शांति और समृद्धि बनी रहती है। सुहागिन महिलाओं को बाल धोने के बाद सुबह गौरी मां को सिंदूर चढ़ाना चाहिए और कुछ सिंदूर अपने भी लगाना चाहिए। ऐसा करने से वैवाहिक जीवन अच्छा व्यतीत होता है।

सैमसंग ने भारत में उतारे गैलेक्सी ए52 और गैलेक्सी ए72

ओआईएस, स्पेस जूम, सिंगल टेक और 4के वीडियो स्नैप जैसे प्रीमियम फीचर के साथ 64 एमपी का क्वाड कैमरा-

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

भारत के सबसे भरोसेमंद स्मार्टफोन ब्रांड सैमसंग ने भारत में गैलेक्सी ए52 और ए72 उतारने तथा उनकी बिक्री शुरू करने की घोषणा की। गैलेक्सी ए सीरीज के दोनों स्मार्टफोन मशहूर गैलेक्सी सीरीज के लोकप्रिय इनोवेशन को मझोली रेंज में ले आए हैं, जिनमें ओआईएस, स्पेस जूम, सिंगल टेक और 4के वीडियो स्नैप के साथ 64एमपी क्वाड कैमरा, बेफिक्री से इस्तेमाल के लिए पानी और धूल से बचने की क्षमता (आईपी67 रेटिंग), बिना अटके स्क्रॉलिंग के लिए 90 हट्र्ज की रिफ्रेश रेट और लंबी चलने वाली बैटरी शामिल है।

ताकतवर कैमरा, स्टाइलिश डिजाइन और खूबसूरत डिस्प्ले वाले गैलेक्सी सीरीज के नए नवेले फोन अनूठे और किफायती पैकेज हैं, जिनमें वह सब कुछ है, जो स्मार्टफोन इस्तेमाल करने वाला हर शख्स चाहता है। इन फोन से हर किसी को खासकर हमारे मिलेनियल उपभोक्ताओं को इनोवेशन के इस्तेमाल का मौका मिल रहा है। गैलेक्सी ए सीरीज के जरिये गैलेक्सी कनेक्टेड डिवाइस के पूरे परिवार मसलन गैलेक्सी बड्स प्रो, गैलेक्सी स्मार्ट टैग और गैलेक्सी टैब का इस्तेमाल करने का मौका मिलेगा, जिससे आपका स्मार्टफोन उपयोग का अनुभव भी बढ़ जाएगा।

सैमसंग इंडिया के निदेशक एवं प्रमुख (मोबाइल कारोबार) आदित्य बब्बर ने कहा, 'सैमसंग अपने ग्राहकों के लिए सार्थक इनोवेशन पेश करने में यकीन करती है और गैलेक्सी ए सीरीज कई वर्षों से इसी का उदाहरण बनी हुई है। नए सिरे से बढ़ रही डिजिटल खपत और बेहतरीन से फोन रखने की हसरत को ध्यान में रखते हुए उद्योग के सर्वोत्तम फीचर्स वाले गैलेक्सी ए52 और ए72 गैलेक्सी ए सीरीज के इस सिद्धांत को सही साबित करते हैं – ऑसम इज फॉर एवरीवन यानी बेहतरीन है हर किसी के लिए। ओआईएस, 30 गुना स्पेस जूम के साथ 64एमपी क्वाड कैमरा, बेफिक्र इस्तेमाल के लिए आईपी67, लंबा चलने वाली बैटरी और बेहतरीन डिजाइन जैसे इस श्रेणी के सर्वोत्तम फीचर्स वाले ये डिवाइस जेन जेड और मिलेनियल्स को खुद को जाहिर करने का भरपूर मौका देंगे।'

गैलेक्सी ए52 और ए72 में नई डिजाइन है, जो सॉफ्ट एज डिजाइन, कैमरे के लिए कम से कम जगह और कैमरा तथा बॉडी के लिए एक जैसे रंग के साथ सरल मगर कारगर है। ये फोन चार रंगों – ऑसम वायलट, ऑसम ब्लैक, ऑसम व्हाइट और ऑसम ब्लू - में आते हैं तथा इनमें सॉफ्ट हेज फिनिश भी है। गैलेक्सी ए52 और गैलेक्सी ए72 आईपी67 रेटिंग के साथ पानी और धूल से बचाते हैं, जिससे डिवाइस का बेफिक्री से इस्तेमाल किया जा सकता है।

सैमसंग गैलेक्सी ए52 और गैलेक्सी ए72 में भी प्रीमियम डिस्प्ले तकनीक लाई है। बिना अटके स्क्रॉलिंग के लिए इस सीरीज में 90हट्र्ज का रिफ्रेश रेट दिया गया है। गैलेक्सी ए52 में 6.5 इंच स्क्रीन है, जबकि गैलेक्सी ए72 में 6.7 इंच स्क्रीन है। गैलेक्सी ए52 और गैलेक्सी ए72 आई कंफर्ट शील्ड की मदद से स्मार्टफोन इस्तेमाल का तरीका देखकर खुद ही डिस्प्ले कलर टेंपरेचर को बदल लेते हैं। गैलेक्सी ए52 और गैलेक्सी ए72 के कैमरों में ऐसे इनोवेशन हैं, जिनसे यूजर्स को ज्यादा विविधता भरे और मजेदार फोटो तथा वीडियो खींचने में मदद मिलती है। नई गैलेक्सी ए सीरीज में अल्ट्रा वाइड लेंस और मैक्रो लेंस वाला 64एमपी क्वाड रियर कैमरा सेटअप है, जिससे स्पष्ट तथा चमकदार फोटो और वीडियो बनाए जा सकते हैं। 4के वीडियो में अपने पसंदीदा क्षणों को 4के वीडियो स्नैप की मदद से 8 मेगापिक्सेल की हाई रिजॉल्यूशन तस्वीरों में बदल लीजिए। इनमें उन्नत एआई का इस्तेमाल करसीन ऑप्टिमाइजर की मदद से तस्वीर का रंग, चमक और शार्पनेस खुदबखुद बढ़ाई जा सकती है। कैमरा फोकस करते ही यह पीपल, फूड, आउटडोर लैंडस्केप और पेट्स जैसी 30 अलग-अलग श्रेणियां पहचान लेता है ताकि हर वक्त आपको तुरंत पोस्ट करने लायक तस्वीर मिले। ऑप्टिकल इमेज स्टेबिलाइजेशन अचानक आई धुंध (ब्लर) या कैमरा हिलने के कारण आई खराबी को कम कर देता है ताकि स्पष्ट और सधी हुई तस्वीर तथा वीडियो मिल सकें। नाइट मोड के जरिये मल्टी-फ्रेम प्रोसेसिंग का इस्तेमाल किया जा सकता है, जिसकी वजह से चमकदार और स्पष्ट तस्वीरें आती हैं। रचनात्मक और अनूठी सामग्री के लिए माई फिल्टर, एआर इमोची और फन मोड यूजर्स को अपनी तस्वीरें कस्टमाइज करने और अपनी छाप छोड़ने का मौका देते हैं। गैलेक्सी ए72 का कैमरा सिस्टम एक कदम आगे जाकर टेलीफोटो लेंस के साथ लेस है, जिससे 3 गुना ऑप्टिकल जूम हासिल होता है। गैलेक्सी ए52 और गैलेक्सी ए72 में हाई रिजॉल्यूशन सेल्फी के लिए 32एमपी फ्रंट कैमरा दिया गया है।

अब हरे कटहल के आटे ये यह हो सकता है ब्लड शुगर कंट्रोल

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

जैकफ्रूट यानी कटहल को 'शाकाहारी चिकन' भी कहा जाता है, जो पूरे भारत भर में काफी लोकप्रिय है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि कटहल का आटा वास्तव में ब्लड शुगर को नियंत्रित करने में मदद कर सकता है, और शायद आपकी दवा को कम कर सकता है या दवा से मुक्ति दिला सकता है?

डायबिटीज (मधुमेह) किसी व्यक्ति में मोटापे, ब्लड प्रेशर (रक्तचाप), स्ट्रोक के जोखिम आदि के रूप में अतिरिक्त समस्याएं पैदा करता है, इसलिए अधिकांश रोगियों को दवाएं दी जाती हैं और उनके आहार में सख्त बदलाव करने के लिए कहा जाता है।

कटहल के आटे के साथ, मरीज़ अपने शुगर लेवल को बढ़ाने का जोखिम उठाये बिना अपने पसंदीदा भोजन का आनंद लेसकते हैं। आटे में कोई मीठा स्वाद या तेज सुगंध नहीं होता है, और आपकी रोटी, इडली या डोसा का स्वाद बदले

बगैर, इसका उपयोग रोटी, इडली, डोसा और अन्य बहुत कुछ तैयार करने में किया जा सकता है। अपने नियमित आटा या बैटर को तैयार करते समय, बस एक बड़ा चम्मच जैकफ्रूट 365 ग्रीन कटहल का आटा मिलाएं और अपनी रोटी, इडली, डोसा बनाएं, जैसा कि आप सामान्य रूप से करते हैं। इसे इस्तेमाल करना बहुत आसान है।

एक रिटायर्ड बैंकर श्रीमती सुसान एपेन का कहना था कि 'जैकफ्रूट 365 हरे कटहल के आटे के साथ, मैं अपने ब्लड शुगर को बहुत आसानी से नियंत्रित कर पा रही हूं, और यह दो साल से जो मैं सिर्फ लो कार्ब आहार खा रही थी, उसकी तुलना में बहुत सुविधाजनक है। लो कार्ब के साथ, मुझे महंगी सामग्री खरीदनी थी और अपने लिए अलग से एक विशेष भोजन तैयार करना था। अब जैकफ्रूट 365 ने इस समस्या का समाधान कर दिया है। मेरी पोती डिनर में केवल डोसा या अप्पम खाएगी और अब मेरे पास कटहल के आटे से बना डोसा और अप्पम है। मुझे परिवार के साथ खाना पकाने और खाने का आनंद मिल रहा है जैसाकि डायबिटीज होने से पहले हुआ करता था।' हाल ही में अमेरिकन डायबिटीज एसोसिएशनके एक अध्ययन में बताया गया है कि जैकफ्रूट 365 हरे कटहल का आटा ब्लड शुगर को नियंत्रित करने में मदद करता है। अब कई ग्राहकों ने बताया है कि हरे कटहल के आटे ने उन्हें दवाइयां छोडने में मदद की है। उनका कहना है कि जैकफ्रूट 365 का उपयोग करके दो वर्षों में मैं इस लगातार बढ़ने वाली बीमारी को दूर कर सकता हूं।' लाभों को ध्यान में रखते हुए, यह कटहल का आटा निश्चित रूप से डायबिटीज रोगियों के लिए एक वरदान है जिन्हें अब तक अपने पसंदीदा भोजन से दूर रहना पड़ता था। जैकफ्रूट 365 हरे कटहल का आटा प्रमुख ऑनलाइन पोर्टल्स जैसे अमेज़न, फ्लिपकार्ट, बिगबास्केट और अन्य पर उपलब्ध है।

कोविड-19 की दूसरी लहर से प्रभावित हो सकता है भारत में स्मार्टफोन कारोबार : कैनेलिस

नयी दिल्ली। एजेंसी

शोध फर्म कैनेलिस के मुताबिक भारत में कोविड-19 की दूसरी लहर से देश में स्मार्टफोन खंड के विकास की गति सुस्त पड़ सकती है, और आपूर्ति पक्ष की बाधा के चलते औसत बिक्री मूल्य में इजाफा हो सकता है। कैनेलिस के आंकड़ों के अनुसार भारत में स्मार्टफोन की आवक मार्च 2021 को खत्म हुई तिमाही के दौरान 11 प्रतिशत बढ़कर 3.71 करोड़ इकाई हो गई, जो इससे पिछले साल की समान अवधि में 3.35 करोड़ इकाई थी। शोध फर्म ने कहा कि भारत में कोविड-19 की दूसरी लहर के चलते दूसरी तिमाही में स्मार्टफोन की आवक बाधित हो सकती है। कैनेलिस ने कहा, ''विभिन्न हिस्सों में संक्रमण का प्रकोप अलग-अलग है, इसलिए देशव्यापी लॉकडाउन की आशंका कम ही है। लेकिन क्षेत्रीय लॉकडाउन से कच्चे माल और डिवाइस का परिवहन प्रभावित हो सकता है।'' कैनेलिस के विश्लेषक सनम चौरसिया ने कहा कि ऐसे में दूसरी छमाही के दौरान स्मार्टफोन ब्रांडों और चैनल साझेदारों के लिए बाधाएं देखने को मिल सकती हैं।

रिलायंस फाउंडेशन ने कोविड सहायता अभियान तेज किया 875 बिस्तरों वाली चिकित्सा सुविधा चलायेगा

नयी दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड की परोपकार शाखा रिलायंस फाउंडेशन ने एक बयान में कहा कि उसने कोविड-19 महामारी के मद्देनजर बढ़ती चिकित्सा जरूरतों को देखते हुए मुंबई में अपने अभियान को तेज किया है। रिलायंस फाउंडेशन के अस्पतालों- भारतीय राष्ट्रीय खेल क्लब (एनएससीआई), सेवन हिल्स अस्पताल और ट्राईडेंट, बीकेसी में लगभग 875 बिस्तरों का इंतजाम किया गया है, जिसमें 145 आईसीयू सुविधा से लैस हैं। एक बयान के मुताबिक एनएससीआई में सर एचएन रिलायंस फाउंडेशन अस्पताल में 650 चिकित्सा बिस्तरों का इंतजाम किया जाएगा। बयान में आगे कहा गया कि रिलायंस फाउंडेशन 100 नए सघन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) बिस्तरों की स्थापना और प्रबंधन करेगा, जिसे 15 मई 2021 से चरणबद्ध ढंग से चालू किया जाएगा। इसके साथ ही सर एचएन रिलायंस फाउंडेशन अस्पताल कोविड रोगियों के लिए लगभग 650 बेड का संचालन और प्रबंधन करेगा। बयान में कहा गया कि मरीजों के इलाज के लिए चिकित्सकों, नर्सों और गैर-चिकित्सा पेशेवरों के रूप में 500 से अधिक कार्यकर्ता दिनरात सेवा में लगे हुए हैं। इलाज का पूरा खर्च, जिसमें आईसीयू बेड और मॉनिटर, वेंटिलेटर और चिकित्सा उपकरण शामिल हैं, रिलायंस फाउंडेशन द्वारा वहन किया जाएगा। इसमें आगे कहा गया कि एनएससीआई और सेवन हिल्स अस्पताल में सभी कोविड रोगियों का बिल्कुल मुफ्त इलाज किया जाएगा। रिलायंस फाउंडेशन की संस्थापक और अध्यक्ष नीता अंबानी ने कहा कि कुल मिलाकर फाउंडेशन लगभग 875 बेड का प्रबंधन करेगा, जिसमें 145 आईसीयू बेड शामिल हैं। उन्होंने कहा, ''रिलायंस फाउंडेशन हमेशा देश की सेवा में सबसे आगे रहा है और यह हमारा कर्तव्य है कि हम महामारी के खिलाफ भारत की अथक लड़ाई में योगदान करें।'' उन्होंने कहा कि रिलायंस गुजरात, महाराष्ट्र, दिल्ली, मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और दमन, दीव और नगर हवेली को 700 टन ऑक्सीजन रोज दे रहा है।

अमेरिका की 40 कंपनियां कोरोना के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ

वाशिंगटन। एजेंसी

अमेरिका की शीर्ष 40 कंपनियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ हैं। वे भारत की मदद करने के लिए वैश्विक कार्यबल के गठन को लेकर एकजुट हुए हैं। कार्यबल में खुदरा क्षेत्र, ई-कॉमर्स, औषधि, प्रौद्योगिकी उद्योग और बड़ी निर्माण इकाइयों के प्रतिनिधि भी शामिल हैं। इसके अलावा दुनिया कई देशों ने हरसंभव मदद देने का आश्वासन दिया है। डेलॉइट के सीईओ पुनीत रंजन ने कहा कि यूएस चैम्बर ऑफ कॉमर्स की यूएस-इंडिया बिजनेस काउंसिल और यूएस-इंडिया स्ट्रैटेजिक एंड पार्टनरशिप फोरम एंड बिजनेस राउंडटेबल की सामूहिक पहल से बने इस कार्यबल ने सोमवार को यहां एक बैठक में अगले कुछ हफ्तों में भारत में 20,000 ऑक्सीजन कंसन्ट्रेटर भेजने की प्रतिबद्धता जताई। महामारी पर यह वैश्विक कार्यबल भारत को अहम चिकित्सा सामान, टीके, ऑक्सीजन और अन्य जीवनरक्षक सहायता मुहैया कराएगा। इस पहल को ग्लोबल टास्क फोर्स ऑन पैनडेमिक रिसपॉन्स : मोबिलाइजिंग ऑर इंडिया नाम दिया गया है। किसी अन्य देश में जन स्वास्थ्य संकट से निपटने के लिए बने अपनी तरह के पहले वैश्विक कार्य बल को अमेरिका के विदेश मंत्री टोनी ब्लिंकन ने संबोधित किया। ब्लिंकन ने ट्वीट किया कि यह बातचीत दिखाती है कि कैसे भारत के कोविड-19 संकट के समाधान के लिए अमेरिका और भारत अमेरिकी निजी क्षेत्र की विशेषज्ञता और क्षमताओं का लाभ उठा सकते हैं।

भारत के साथ आया कनाडा, कोरोना से लड़ने के लिए देगा 10 मिलियन डॉलर

एजेंसी

देश में कोरोना वायरस का संक्रमण तेजी से फैल रहा है और स्वास्थ्य प्रणाली चरमरा गई है। कोरोना के बढ़ते मामलों की वजह से स्वास्थ्य महकमे पर बहुत बोझ पड़ा, जिसकी वजह से स्थिति ज्यादा खराब हुई। भारत में कई लोगों की मौत सिर्फ इसलिए हो गई क्योंकि उन्हें समय पर ऑक्सीजन नहीं मिल पाई। वहीं देश में कोरोना से मचे कोहराम के बीच कई देश आगे आकर भारत की मदद कर रहे हैं। इसी कड़ी में कनाडा ने भी भारत की मदद करने का एलान किया है। कनाडा की अंतरराष्ट्रीय विकास मंत्री करीना गुल्ड ने एलान किया कि कोरोना की लड़ाई के बीच कनाडा भारत को दस मिलियन डॉलर की मदद करेगा। बता दें कि इससे पहले दूसरे देश भी भारत की मदद करने का एलान कर चुके हैं। अमेरिका, फ्रांस, सऊदी अरब समेत कई ऐसे देश हैं, जो आगे आकर भारत की मदद कर रहे हैं। वहीं आज सिंगापुर से 256 ऑक्सीजन सिलिंडर भारत आने वाले हैं। सिंगापुर के मंत्री मालिकी ओसमान ने सुबह वायुसेना के सी-130 विमान को हरी झंडी दी।

अब सिंगापुर ने बढ़ाया मदद का हाथ, भारत के लिए रवाना किए मेडिकल ऑक्सीजन के दो विमान

नई दिल्ली। एजेंसी

कोरोना की वजह से देश में जारी ऑक्सीजन की किल्लत से निपटने में भारत की मदद करने वाले देशों में अब सिंगापुर भी शामिल हो गया है। सिंगापुर

ने बुधवार को ऑक्सीजन सिलेंडरों से भरे दो विमान भारत के लिए रवाना कर दिए हैं। सिंगापुर के विदेश मंत्रालय ने इसकी जानकारी दी है। सिंगापुर के विदेश मंत्री डॉक्टर मलिकी उस्मान ने सिंगापुर एयरफोर्स के दो सी-130 एयरक्राफ्ट को भारत के लिए रवाना किया है। ये विमान भारत में 256 ऑक्सीजन सिलेंडर लेकर आ रहे हैं। मलिकी ने कहा कि सिंगापुर और भारत के प्रगाढ़ संबंध रहे हैं। उन्होंने महामारी के दौरान पूरे समय सिंगापुर को जरूरी सामान की आपूर्ति करते रहने और भारत के योगदान के लिए भारत सरकार का शुक्रिया अदा किया। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, भारतीय वायुसेना ने भी तीन ऑक्सीजन कंटेनर लाने के लिए अपना सी-17 एयरक्राफ्ट सिंगापुर भेजा है। बता दें कि सिंगापुर से मेडिकल ऑक्सीजन की सप्लाई ऐसे समय में की गई है जब देश में कोरोना की दूसरी लहर हर दिन कहर बरपा रही है। अस्पतालों में जगह नहीं है और कई अस्पताल ऑक्सीजन की भारी कमी से जूझ रहे हैं। देश में बुधवार को भी कोरोना वायरस के 3 लाख 60 हजार से ज्यादा नए मामले आए हैं। वहीं, कोरोना के कारण पहली बार 3 हजार 293 लोगों ने दम तोड़ा है।

प्रॉक्टर एंड गैंबल कोविड टीकाकरण के लिए 50 करोड़ रुपये देगी

नयी दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

एफएमसीजी कंपनी प्रॉक्टर एंड गैंबल (पीएडंजी) ने सोमवार को कहा कि वह कोविड-19 टीकाकरण के लिए 50 करोड़ रुपये का योगदान करेगी, जिसके तहत सरकार और स्थानीय प्राधिकरणों के साथ मिलकर पांच लाख भारतीयों को वैक्सीन लगाई जाएगी। कंपनी ने एक बयान में कहा कि वह भारत में उसके प्रत्येक पीएडंजी कर्मचारी के लिये 100 भारतीयों को वैक्सीन लगवाएगी। इसके अलावा कंपनी अपने 5,000 से अधिक कर्मचारियों, और उनके परिवारिक सदस्यों को भी टीका लगवाने का खर्च उठाएगी। पीएडंजी भारतीय उपमहाद्वीप के सीईओ मधुसूदन गोपालन ने कहा, ''पीएडंजी, कोविड-19 के खिलाफ भारत की लड़ाई में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रतिबद्ध है और हम भारत में अपने प्रत्येक कर्मचारी पर 100 नागरिकों का टीकाकरण करते हुए कुल पांच लाख वैक्सीन की खुराक के लिए 50 करोड़ रुपये का योगदान करेंगे।''

ऑक्सीजन कंसेंट्रेटरों की आपूर्ति बढ़ाने में हाथ बटाएगी पेटीएम

नयी दिल्ली। वित्तीय सेवा कंपनी पेटीएम ने सोमवार को कहा कि पेटीएम फाउंडेशन 3000 ऑक्सीजन कंसंट्रेटर उपकरणों (ओसी) का आयात करेगा ताकि कोविड-19 महामारी के बीच देश में कोविड मरीजों के इलाज के लिए ऑक्सीजन की कमी को दूर करने में मदद की जा सके। कंपनी ने भारत के लिए ऑक्सीजन (आक्सीजन फार इंडिया) नाम से एक पहल शुरू की है। इसके जरिए वह इस मुद्दे पर जागरूकता बढ़ा रही है।

कंपनी ने सोमवार को कहा कि पेटीएम फाउंडेशन ने 1000 ऑक्सीजन कंसंट्रेटर के आयात के लिए ऑर्डर दे रखे हैं। इनका मूल्य करीब 4 करोड रुपए होगा। कंपनी लोगों से चंदे के रूप में दस करोड़ रूपये और जुटाने का लक्ष्य रखा। पेटीएम फाउंडेशन आपूर्तिकर्ताओं के साथ 3000 ऑक्सीजन कंसंट्रेटर आयात करने करने की योजना बनायी है इन्हें अस्पतालों क्लीनिक और रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन को दिया जाएगा। पेटीएम के संस्थापक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी विजय शंकर शर्मा ने कहा, ' मैं अन्य स्टार्टअप इकाइयों और कंपनियों का आह्वान करता हूं कि वे हमारे इस अभियान में हाथ बटाएं और हमारे एक रुपये के योगदान में अपना एक रुपया मिलाएं ताकि आक्सीजन कंसेंट्रैटर की आपूर्ति संख्या दो गुना की जा सके।'

मास्टरकार्ड ने कोविड राहत उपायों के लिये एक करोड़ डॉलर की प्रतिबद्धता जतायी

वाशिंगटन। एजेंसी

अमेरिकी की बहुराष्ट्रीय वित्तीय सेवा कंपनी मास्टरकार्ड ने भारत में कोविड-19 महामारी से निपटने में मदद के लिये एक करोड़ डॉलर की प्रतिबद्धता जतायी है। आधिकरिक घोषणा के अनुसार कंपनी यह सहायता मास्टरकार्ड इम्पैक्ट फंड के जरिये उपलब्ध कराएगी और इसके तहज तीन क्षेत्रों...अस्पताल संसाधनों तक पहुंच, अतिरिक्त ऑक्सीजन आपूर्ति और देश में अपने कर्मचारियों की निरंतर मदद...पर ध्यान दिया जाएगा। मास्टरकार्ड के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अजय बंगा ने कहा, ''भारत में स्थिति काफी परेशान करने वाली है। यह स्पष्ट है कि कोई भी इससे अछूता नहीं रह गया है और कोई भी हाथ पर हाथ रखे नहीं रह सकता।'' सबसे बड़ा योगदान 2000 बिस्तरों वाला अस्थायी या मोबाइल अस्पताल की स्थापना के रूप में होगा। इससे स्वास्थ्य संबंधित जरूरता को तत्काल पूरा किया जा सकेगा। मास्टरकार्ड ने एक बयान में कहा कि कंपनी सरकार और स्थानीय भागीदारों के साथ काम कर रही है। ये अस्पताल तुंरत बनाये जा सकते हें और इससे करीब 25 लाख भारतीयों को मदद मिल सकती है।

भारत में रेमडेसिविर की उपलब्धता बढ़ाएगी जीलीड

नयी दिल्ली। एजेंसी

कैलीफोर्निया। दवा कंपी जीलीड साइसेंज ने कहा है कि वह वह कोविड-19 संक्रमित रोगियों के उपचार में काम आने वाली औषधि रेमडेसिविर की उपलब्धता बढ़ाने के लिए कई कदम उठा रही है। कंपनी ने भारत सरकार को कम से कम 4.5 लाख शीशी 'वेकलरी' (रेमडेसिविर) दान करने की भी घोषणा की है। भारत में महामारी का प्रकोप तेज होने को देखते हुए कंपनी ने ये घोषणाएं की हैं।

जीलीड साइंसेज ने एक बयान में कहा कि भारत में महामारी में तेजी को देखते हुए वह अपनी औषधि के विनिर्माण का लाइसेंस रखने वाले स्वैच्छिक भागीदारों को तकनीकी सहायता, नई स्थानीय इकाई खोलने के के लिए सहयोग सक्रिय औषधीय रसायन

(एपीआई) का अनुदान दे रही है।

इसके अलावा कंपनी ने भारत को कम से कम 4,50,000 लाख शीशी वेकलरी (रेमडेसिविर) दान करेगी। भारत के औषधि नियंत्रक ने इस दवा को कोवल आपात परिस्थिति में कोविड-19 के पुष्ट लक्षण वाले गंभीर रोगी को दिए जाने की मंजूरी दी है। इस औषधि के लिये जीलीड साइंसेज का स्वैच्छिक लाइसेंसिंग कार्यक्रम पिछले साल मई में शुरू किया था। इसके तहत नौ विनिर्माताओं को रेमडेसिविर का उत्पादन करने का लाइसेंस दिया गया था। इसमें से सात भारत में हैं। इसके जरिए 127 देशों में इस दवा की आपूर्ति का लक्ष्य है।

भारत में सिप्ला, डा रेड्डीज लैब, हेटरो लैब, जुबिलैंट लाइफसाइंसेज, माइलान, सिंजेनी और जाइडस कैडिला हेल्थ केयर को यह लाइसेंस दिया गया है। भारत में कोविड-19 संक्रमण रोजना 3.23 लाख से ऊपर पहुंच चुका है। देश में इस महामारी से करीब 1.98 लाख लोगों की मौत हो गयी है।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक सचिन बंसल द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स, 13, प्रेस काम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 18, सेक्टर-डी-2, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, जिला इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित । संपादक- सचिन बंसल

सूचना/चेतावनी- इंडियन प्लास्ट टाइम्स अखबार के पूरे या किसी भी भाग का उपयोग, पुन: प्रकाशन, या व्यावसायिक उपयोग बिना संपादक की अनुमति के करना वर्जित है। अखबार में छपे लेख या विज्ञापन का उद्देश्य सूचना और प्रस्तुतिकरण मात्र है। अखबार किसी भी प्रकार के लेख या विज्ञापन से किसी भी संस्थान की सिफारिश या समर्थन नहीं करता है। पाठक किसी भी व्यावसायिक गतिविधि के लिए स्वविवेक से निर्णय करें। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र इंदौर, मप्र रहेगा।